TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 115
बुधवार, 05 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार चुनावः पहले चरण का प्रचार थमा, 121 सीटों पर 6 नवंबर को मतदान

पटना, 04 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार मंगलवार शाम 5 बजे थम गया। पहले चरण में 6 नवंबर को 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। प्रचार अभियान की समाप्ति के साथ ही, प्रमुख गठबंधनों द्वारा पहले चरण के कड़े मुकाबले की तैयारी के साथ, चुनाव प्रचार का भी समापन हो गया है। ये सीटें राज्य के नौ प्रशासनिक प्रभागों में से छह के अंतर्गत आती हैं। पहले चरण में जिन 121 सीटों पर मतदान होना है, उनमें से पिछले चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 60 सीटें जीती थीं, जबकि महागठबंधन ने 61 सीटें जीती थीं। इस तरह पहले चरण में दोनों गठबंधनों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। एनडीए के लिए इस चरण में बढ़त हासिल करना एक बड़ी चुनौती है। महागठबंधन के लिए अपने पिछले प्रदर्शन को बरकरार रखना या उससे बेहतर प्रदर्शन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा।विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोग ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया है कि मतदान केंद्रों पर उत्सव जैसा माहौल बनाया जाए ताकि मतदाता बड़ी संख्या में मतदान के लिए आगे आएं। आयोग ने बूथ पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे तकनीकी नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण के लिए 121 सामान्य, 18 पुलिस और 33 व्यय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए ग्रामीण इलाकों में विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है। निर्वाचन क्षेत्रों के लिहाज से दीघा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 4,57,657 मतदाता हैं, जबकि बरबीघा में सबसे कम 2,31,998 मतदाता पंजीकृत हैं। क्षेत्रफल के अनुसार बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र सबसे छोटा (16.239 वर्ग किलोमीटर) और

सूर्यगढ़ा सबसे बड़ा (62.247 वर्ग किलोमीटर) है। निर्वाचन आयोग के अनुसार पहले चरण में मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर जिलों में मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने छह विधानसभा सीट पर मतदान के समय में एक घंटे की कमी की है। इन 2135 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इनमें सिमरी बख्तियारपुर (410 बूथ), महिषी (361 बूथ), तारापुर (412 बूथ), मुंगेर (404 बूथ), जमालपुर (492 बूथ) और सूर्यगढ़ा (56 बूथ) शामिल हैं। यह फैसला इन क्षेत्रों की संवेदनशीलता, प्रखंड मुख्यालय से दूरी और स्थानीय प्रशासन के सुझावों के आधार पर लिया गया है। बाकी 115 सीट के 43,206 बूथों पर मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए कुल 45,341 बूथ बनाए गए हैं, जिनमें 45,324 मुख्य बूथ और 17 सहायक बूथ होंगे। पहले चरण में कई चर्चित उम्मीदवारों की किस्मत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कैद होगी। इनमें महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, लोकगायिका मैथिली ठाकुर, भोजपुरी फिल्म स्टार खेसारी लाल यादव, जनशक्ति जनता दल के तेज प्रताप यादव, जनता दल (यूनाइटेड) प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और भोला यादव शामिल हैं। अलीनगर सीट पर भी सबकी नजर है, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकगायिका मैथिली ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विनोद मिश्रा से है।

बाराबंकी में तेज रफ्तार का कहर, ट्रक-कार की जोरदार टक्कर में 6 जिंदगियां खत्म

बाराबंकी, 04 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक रूह कंपा देने वाला हादसा हुआ है जिसमें 6 लोगों के मौके पर ही जान चली गयी। हादसा इतना भयानक था कि आस-पास के लोग हैरान रह गये। बाराबंकी में देर रात एक ट्रक और कार की आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हुई। कार के परखच्चे उड़ गये। टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा देवा-फतेहपुर मार्ग पर बिशुनपुर कस्बे के निकट ग्राम कुतुलुपुर के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक और अर्टिगा कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। उसने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायलों ने देवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना

मिलते ही जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंच गए। राहत दल और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। मृतकों की पहचान की जा रही है। जिलाधिकारी त्रिपाठी ने हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि की।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए दो लोगों जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। चश्मदीदों के अनुसार, ट्रक बहुत तेज रफ्तार में था और चालक ने सामने से आ रही कार को देखकर नियंत्रण खो दिया, जिससे यह टक्कर हुई। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। इससे पहले जयपुर में भी रोड पर एक डंपर ने भी तांड़व मचाया। जयपुर के हरमाड़ा इलाके में तेज रफ्तार डंपर ने सोमवार दोपहर तबाही मचा दी। डंपर ने अपने सामने आए कई वाहनों को टक्कर मारी जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई व 10 घायल हो गए। जयपुर के जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह डंपर रोड नंबर 14 से लोहा मंडी पेट्रोल पंप की ओर तेज गति से जा रहा था और रास्ते में आने वाले वाहनों को टक्कर मारता चला गया।

फर्जी दलों से लोकतंत्र को बचाने और पार्टियों को पारदर्शिता के दायरे में लाने के प्रयास तेज

नई दिल्ली, 04 नवम्बर। भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता की सीढ़ी नहीं, बल्कि जनविश्वास की रीढ़ भी हैं। लेकिन अफसोस की बात यह है कि इस रीढ़ की मजबूती आज तक किसी ठोस पारदर्शी ढांचे में नहीं ढली। ऐसे समय में जब राजनीतिक जवाबदेही अक्सर केवल चुनावी नारे बनकर रह जाती है, उच्चतम न्यायालय का यह संकेत कि वह राजनीतिक दलों को अपने ज्ञापन, नियम और विनियम सार्वजनिक करने का निर्देश दे सकता है, लोकतंत्र की सेहत के लिए एक बड़ा संकेत है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और निर्वाचन

आयोग को नोटिस जारी किया। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि जब तक कोई ठोस बाधा न हो, कुछ निर्देश जारी करना चाहेंगे। शीर्ष अदालत ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि याचिका में कुछ सार्थक प्रार्थनाएं हैं। यह वाक्य अपने आप में न्यायपालिका की उस सजग भूमिका का प्रतीक है जो वह लोकतंत्र की जड़ों को सुदृढ़ करने के लिए निभा रही है। अश्विनी उपाध्याय, जिन्हें आज देशभर में पीआईएल मैन के रूप में जाना जाता है, उन्होंने वर्षों से जनहित याचिकाओं के जरिये एक स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास किए हैं। चाहे चुनाव सुधारों की बात हो, समान नागरिक संहिता पर बहस, या अपराधियों के राजनीति में प्रवेश पर रोक की बात हो, अश्विनी उपाध्याय ने लगभग हर उस क्षेत्र में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग उठाई है, जहाँ शासन की चुप्पी अखर रही थी।

आस्था और सौंदर्य का अद्भुत संगम बनेगी काशी, दीपों की लहर से दमकेगी काशी की आत्मा

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे मुख्य अतिथि, घाटों पर 17 लाख दीपों से नहाएगी गंगा
- शिववास योग और बव करण संयोग में मनेगी देव दीपावली

सुरेश गांधी

वाराणसी। देव दीपावली केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यह काशी की आध्यात्मिक धरोहर, सांस्कृतिक गरिमा और लोकविश्वास का उत्सव है। यह वह रात है जब गंगा धरती पर उतरते देवताओं का स्वागत करती है और काशी अपनी आत्मा से आलोकित हो उठती है। कार्तिक पूर्णिमा की संध्या इस बार काशी के लिए फिर वही स्वप्निल पल लेकर आएगी, जब गंगा की लहरें दीपों से

झिलमिलाएंगी, जब घाटों पर आस्था दीपक बनकर दमकेगी और जब काशी स्वयं प्रकाश का प्रतीक बन जाएगी। काशी की धरती एक बार फिर देवों के स्वागत के लिए सज चुकी है। गंगा की लहरें दीपों से लदीं हैं, घाट आरती की गूंज से निखर रहे हैं, और पूरा नगर दिव्य ज्योति से आलोकित होने को आतुर है।

इस वर्ष देव दीपावली का पर्व 5 नवंबर 2025 (बुधवार) को मनाया जाएगा, जब काशी सचमुच देवों की नगरी बन जाएगी। इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री पांच नवंबर को दोपहर बाद बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से पुलिस लाइन और फिर सर्किट हाउस पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री पार्टी कार्यकताओं से मिलेंगे। इसके बाद शाम को क्रूज से वह देव दीपावली का नजारा देखेंगे। इसी से वह गंगा आरती देखेंगे। देव दीपावली कार्यक्रम के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ और बाबा काल भैरव का दर्शन पूजन करेंगे। छह नवंबर की सुबह वह प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों को परखेंगे और शाम को लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। उनके आगमन को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

दशाश्वमेध घाट से लेकर अस्सी घाट तक, और राजघाट से लेकर पंचगंगा तक, काशी का हर घाट इस बार 17 लाख दीपों की उजास से जगमगाएगा।

गंगा सेवा निधि, पर्यटन विभाग, नगर निगम और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से घाटों को दीपमालाओं, पुष्प सजावट और रंगीन झालरों से दुल्हन-सा संवारा जा रहा है। देव दीपावली की रात गंगा आरती, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी का अद्भुत संगम होगा। आकाश में जब रंग-बिरंगे फूल खिलेंगे और गंगा पर दीपों की लहरें थिरकेंगी, तब काशी साक्षात देवताओं की नगरी प्रतीत होगी। काशी की धरती एक बार फिर देवों के स्वागत के लिए सज चुकी है।

गंगा की लहरें दीपों से लदीं हैं, घाट आरती की गूंज से निखर रहे हैं, और पूरा नगर दिव्य ज्योति से आलोकित होने को आतुर है। देव दीपावली वह रात है जब देवता स्वयं गंगा के तट पर उतरकर दीप जलाते हैं। इस दौरान हर-हर शंभू, शिव तांडव और हे शिवा शिवा... जैसे भजनों की ताल पर डमरुओं की थाप और सतरंगी रोशनी के संगम से घाटों का वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। पौराणिक कथा के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था। देवताओं ने प्रसन्न होकर काशी में दीप प्रज्ज्वलित किए कृ तभी से यह परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष वाराणसी के 100 से अधिक घाटों, कुंडों और मंदिरों पर 17 लाख दीपक प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। घाटों पर दीपों की पंक्तियाँ ऐसे प्रतीत होंगी जैसे गंगा के गले में चंद्रहार दमक रहा हो।

ममता ने एसआईआर के खिलाफ किया शक्ति प्रदर्शन

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को कोलकाता की सड़कों पर उतरीं और मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ एक विशाल रैली का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह पुनरीक्षण अभियान भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत से चलाया जा रहा है। बनर्जी अपने भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ शहर के बीचों-बीच हजारों समर्थकों के साथ निकलीं। 3.8 किलोमीटर लंबा यह मार्च रेड रोड स्थित बीआर अंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होकर रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक निवास, जोड़ासांको ठाकुर बाड़ी तक गया, जहाँ इसका समापन होना था।

रास्ते में सड़कें टीएमसी कार्यकताओं और समर्थकों से भरी हुई थीं, जो पार्टी के झंडे लहरा रहे थे, नारे लगा रहे थे और एसआईआर प्रक्रिया की निंदा करते हुए चमकीले तख्तियाँ लिए हुए थे। अपनी जानी-पहचानी सफेद सूती साड़ी और चप्पल पहने, मुख्यमंत्री जुलूस में सबसे आगे चल रही थीं, और बीच-बीच में रुककर उन निवासियों का अभिवादन कर रही थीं जो बालकनी से बाहर निकलकर या सड़क किनारे खड़े होकर उनकी एक झलक पाने की कोशिश कर रहे थे। अभिषेक बनर्जी उनके ठीक पीछे चल रहे थे और वरिष्ठ मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ जयकार कर रही भीड़ का अभिवादन कर रहे थे।

अवकाश सूचना

गुरुनानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के अवसर पर अवकाश रहेगा।

–संपादक

नौसेना वाले सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग, इसरो ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 04 नवम्बर। इसरो ने एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। इस बार इसरो ने भारतीय नौसेना के लिए सीएमएस03 सेटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर यह कीर्तिमान रचा है। अब नौसेना बेहतर संचार कर सकेगी और दुश्मन के इलाकों पर नजर रख पाएगी। आपको बता दें कि यह भारत का सबसे भारी सेटेलाइट है जिसे इसरो ने अपने बाहुबली रॉकेट एलवी35 से लॉन्च किया। देसी तकनीक से बनाई यह सैटेलाइट नौसेना के जहाजों, विमानों और पनडुब्बियों को बेहतर ढंग से जोड़ने का काम करेगी। भारतीय नौसेना का यह सीएमएस 03 सैटेलाइट जिसे GS87R के नाम से भी जाना जाता है। एक कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। यह सैटेलाइट नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस सैटेलाइट है।

स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित उपग्रह को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा

स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। इसरो के अनुसार, सीएमएस-03 बहु-बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रक्षेपण को देश की आत्मनिर्भरता की भावना का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, भारत के सबसे उन्नत संचार उपग्रह सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई। यह हमारे देश की आत्मनिर्भरता और अत्याधुनिक नवाचार की भावना का एक प्रमुख उदाहरण है। तकनीकी उत्कृष्टता के लिए इसरो की निरंतर खोज भारत को गौरवान्वित करती है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

गुरु नानक जयन्ती– 5 नवम्बर, 2025

गुरु नानक देव: मानवता के पथप्रदर्शक विलक्षण संत

–ललित गर्ग

भारत की पवित्र भूमि सदैव से महापुरुषों, संतों और अवतारों की कर्मभूमि रही है। इसी भूमि पर तलवंडी (अब ननकाना साहिब, पाकिस्तान) में गुरु नानक देव का जन्म हुआ। वे केवल सिख धर्म के प्रवर्तक नहीं थे, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के पथप्रदर्शक, समानता, प्रेम, शांति और सत्य के अमर उपासक थे। उन्होंने धर्म के बाहरी आडंबरों, जातिगत भेदभाव और संकीर्णता का विरोध करते हुए एक ऐसे समाज की कल्पना की जिसमें हर मनुष्य को समान अधिकार मिले और सबके हृदय में करुणा का प्रकाश जले। उनके जीवन की घटनाएं उनकी विलक्षण दृष्टि और दिव्य चेतना का परिचय देती हैं। उनके जन्म दिन को हम प्रकाश पर्व, गुरु पर्व, गुरु पूरब भी कहते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन

से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्तिक्रांति एवं समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया। गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया। इनके पिता ने जब पुत्र में सांसारिक विरक्ति का भाव देखा तो उन्हें पुनः भौतिकता की ओर आसक्त करने के उद्देश्य से पशुपालन का कार्य सौंपा। फिर भी नानकदेव का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति और साधना में व्यतीत होता था। गुरु नानकदेव ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। अणु को विराट के साथ एवं आत्मा को परमात्मा के साथ एवं आत्मज्ञान को प्राप्त करने के एक नए मार्ग की परंपरा का सूत्रपात गुरुनानक ने किया है, यह किसी धर्म की स्थापना नहीं थी। उन्होंने परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करने का मार्ग बताया। यही वह सार्वभौम तत्व है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत को एकता के सूत्र में बांधे हुए हैं। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए सिख समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए लंगर परंपरा की शुरूआत की थी, जहां गरीब-राजा, ऊंच-नीच सभी लंगर खाते थे। उन्होंने निर्गुण उपासना पर जोर दिया और उसका ही प्रचार-प्रसार किया। वे मूर्ति पूजा नहीं करते थे और न ही मानते थे। ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है, इसमें ही नानक देव का पूरा विश्वास था। उनका धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति, भक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है। गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर जोर दिया। उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संवादों का महत्व बताया और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देते हुए करुणा, परोपकारिता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया। एक बार जब वे सुल्तानपुर में नवाब की नौकरी कर रहे थे, उन्हें अनाज की तौल का कार्य सौंपा गया। वे गिनती करते हुए एक, दो, तीन बोलते जा रहे थे, पर जब तेरह पर पहुँचे तो वे रुक गए और बार-बार तेरह, तेरह कहने लगे। लोग चकित हो उठे। उन्होंने कहा- तेरा, सब कुछ तेरा अर्थात इस संसार में कुछ भी मेरा नहीं, सब कुछ ईश्वर का है। यही गुरु नानक की आत्मदृष्टि थी, जहाँ उन्होंने अहंकार से मुक्त होकर ईश्वर की सर्वव्यापकता का अनुभव किया। यह घटना उनके आध्यात्मिक जीवन का निर्णायक क्षण बनी। एक अन्य प्रसंग में वे अपने साथी भाई मरदाना के साथ मक्का पहुंचे। थकान से चूर होकर वे विश्राम हेतु लेट गए और उनके पैर काबा की दिशा में हो गए। एक व्यक्ति ने आक्रोश में कहा, अपने पैर ईश्वर की ओर कैसे फैला दिए? गुरु नानक मुस्कराकर बोले, भाई, मेरे पैर उस दिशा में कर दो जहाँ ईश्वर न हो। वह व्यक्ति जैसे-जैसे पैर घुमाता गया, काबा उसी दिशा में घूमता प्रतीत हुआ। यह घटना उनके सर्वधर्मसमभाव और सर्वव्यापक ईश्वर की अनुभूति की प्रतीक बन गई। एक बार कुछ लोगों ने गुरुनानक देव से पूछा कि हमें यह बताइए कि आपके अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान तो गुरु साहिब ने उत्तर दिया, ह्यअवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे। यानी सब इंसान ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला भगवान की नजर में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो। इस तरह गुरुनानक देव सच्चे गुरु एवं परमात्मा स्वरूप हैं।

गुरु नानक का जीवन सरलता, सच्चाई, करुणा और निस्वार्थ सेवा का आदर्श था। उन्होंने कहा- ना कोई हिन्दू, ना मुसलमान; सब एक ही नूर से उपजे हैं। वे धर्म को किसी संप्रदाय की सीमाओं में नहीं बाँधते थे, बल्कि मानवता को ही सच्चा धर्म मानते थे। उनके तीन सूत्र-नाम जपो, कीरत करो और वंड छको, मानव जीवन के नैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक आधार हैं। उनका कहना था कि ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से परिश्रम करो और जो कुछ कमाओ उसमें से दूसरों के साथ बाँटो। उनका जीवन इस सत्य का साक्षी है कि धर्म पूजा-पाठ या कर्मकांडों में नहीं, बल्कि आचरण और व्यवहार में बसता है। वे कहते थे, वह धर्म नहीं जो दूसरों को दुख दे, वह भक्ति नहीं जो केवल पूजा में सीमित रहे। गुरु नानक ने अहंकार, लोभ, क्रोध और हिंसा से मुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी और यह बताया कि ईश्वर प्रत्येक प्राणी में विद्यमान है। उन्होंने कहा- सबना में जोत, जोत है सोई, तिस दा चानन सब में होई ह्व यानी हर प्राणी में उसी परमात्मा की ज्योति विद्यमान है, इसलिए किसी से भेदभाव मत करो। आज जब मानवता पुनः संकीर्णता, हिंसा और विभाजन के दौर से गुजर रही है, तब गुरु नानक देव की शिक्षाएं हमारे लिए दिशा-सूचक दीपक हैं। उनका सन्देश हमें करुणा, एकता, सादगी और सच्चाई की ओर ले जाता है। उन्होंने जीवनभर यह बताया कि सच्चा धर्म वही है जो मानवता को जोड़े, प्रेम को बढ़ाए और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे। एक ओंकार सतनाम, करता पुरख, निरभउ, निरवैर- यह उनके जीवन का सार था, जो आज भी विश्व को यह सिखाता है कि ईश्वर एक है, वह सबका है, सबमें है, और सबके लिए है। गुरु नानक देव सचमुच उस विराट चेतना के प्रतीक हैं जो समय, धर्म और सीमाओं से परे होकर मानवता के उजाले की दिशा दिखाती है।

जब काशी बनती है देवलोक, दीपों के समंदर में गंगा करती हैं आराधना

–सुरेश गांधी

देवताओं के देव महादेव की नगरी काशी, जहां हर सांस में अध्यात्म की सुगंध है, हर घाट में इतिहास की गहराई और हर लहर में अनादि काल का संगीत। जब कार्तिक पूर्णिमा की रात आती है, तब यह नगरी किसी और लोक में परिवर्तित हो जाती है। गंगा की लहरों पर तैरते दीपों की झिलमिलाहट, घाटों की सीढ़ियों पर सजे दीपमालाओं की सुव्यवस्थित कतारें, और उनके बीच बहती जन-धारा, सब मिलकर ऐसा दृश्य रचते हैं कि लगता है जैसे स्वर्ग उतर आया हो। काशी के घाटों की वह रात केवल उजास नहीं, अनुभूति है। मां गंगा के आंचल में जब लाखों दीप टिमटिमाते हैं, तो लगता है मानो देवताओं ने अपनी दीप्ति स्वयं काशी को अर्पित कर दी हो। अर्द्धचंद्राकार घाटों पर सजी दीपमालाएं जब गंगा की धारा से मिलती हैं, तो धरती और आकाश के बीच कोई भेद शेष नहीं रह जाता। गंगा के जल पर झिलमिलाते दीप, जैसे आकाशगंगा स्वयं उतर आई हो। कहते है एक समय काशी में त्रिपुर नामक असुर ने देवताओं का प्रवेश वर्जित कर दिया था। देवता साधुवेश में पंचगंगा घाट पर गंगा स्नान करने आते और शीघ्र लौट जाते। जब त्रिपुरासुर का अत्याचार असहनीय हो गया, तब भगवान शिव ने उसका वध किया। देवताओं की विजय पर स्वर्गलोक में दीप जलाकर उत्सव मनाया गया, वही दिन देव दीपावली कहलाया। तब से कार्तिक पूर्णिमा के दिन काशी में दीपोत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवता स्वयं पृथ्वी पर उतरकर मां गंगा के घाटों पर आराधना करते हैं। गंगा की धार में जलता प्रत्येक दीप, देवताओं के आगमन का प्रतीक बन जाता है।

गंगा की शांत लहरों पर जब दीपों की अनगिनत ज्योतियां तैरती हैं, तब काशी सचमुच स्वर्ग का रूप धारण कर लेती है। यह वह रात होती है जब देवताओं का आगमन होता है, जब गंगा की गोद में स्वयं ब्रह्माण्ड का उजाला उतर आता है। घाटों पर दीपों की कतारें केवल रोशनी नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और आत्मिक आलोक का विराट प्रतीक बन जाती हैं। देव दीपावली, वह पावन उत्सव जब त्रिपुरासुर वध के बाद देवताओं ने गंगा के तट पर दीप प्रज्वलित कर विजय का उत्सव मनाया, आज भी उसी दिव्यता की अनुभूति कराता है। काशी के हर घाट पर जब आरती की घंटियां गूंजती हैं, शंखनाद से गगन भर उठता है, और गंगा की लहरें लय में थिरकती हैं, तो लगता है मानो देवता स्वयं नृत्य कर रहे हों। यह दृश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक चरम की अनुभूति है, जहां आस्था और सौंदर्य एकाकार हो जाते हैं। लाखों दीपों की पंक्तियां, नौकाओं पर झिलमिलाते प्रतिबिंब और भक्तों के चेहरों पर झलकती भक्ति, सब मिलकर काशी को उस अनंत आलोक में डुबो देते हैं जहां मनुष्य और देवत्व के बीच की दूरी मिट जाती है। मतलब साफ है देव दीपावली केवल उत्सव नहीं, बल्कि यह काशी की आत्मा का प्रकाश है, वह क्षण जब गंगा की लहरों पर स्वर्ग का नजारा उतर आता है, और समूची काशी झूम उठती है देवत्व के आलोक में।

एक अन्य कथानुसार, जब महर्षि विश्वामित्र ने अपने तपोबल से त्रिशंकु को स्वर्ग भेजा, तो देवता क्रोधित हो गए और उसे अधर में लटका दिया। फिर विश्वामित्र ने नई सृष्टि रचने का संकल्प लिया। देवताओं ने जब उन्हें प्रसन्न किया, तब सर्वत्र दीप जलाकर प्रसन्नता व्यक्त की, वही प्रसंग देव दीपावली के रूप में पूजित हुआ। इसी प्रकार, वामन अवतार के बाद जब भगवान विष्णु स्वर्गलोक पहुंचे, तब देवताओं ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया। वही दिन कार्तिक पूर्णिमा का था। और जब त्रिपुरासुर का वध हुआ, तो देवताओं ने दीपों से स्वर्ग में उल्लास मनाया। इन सब घटनाओं ने मिलकर इस पर्व को देवताओं की दीपावली बना दिया। काशी की देव दीपावली का सबसे मोहक दृश्य दशाश्वमेध घाट की भव्य गंगा आरती है। यहां जब 11 ब्राह्मण, 108 दीपों से आराधना करते हैं, तब हर आरती पात्र की लौ हवा के साथ झूमती हुई जैसे नृत्य करती है। घंटा-घड़ियाल, शंखध्वनि, पुष्पवर्षा और अगरबत्तियों की सुगंध, सब मिलकर एक अलौकिक वातावरण बनाते हैं। गंगा की लहरें उस क्षण स्वयं ताल देती हैं, और आकाश में झिलमिलाता चन्द्रमा इस आरती का साक्षी बनता है। श्रद्धालु नावों और घाटों से भावविभोर होकर मां गंगा की वंदना करते हैं। यह वह क्षण होता है जब लगता है, गंगा की लहरों पर देवता नृत्य कर रहे हैं, और पूरी काशी उनके आनंद में झूम रही है। संध्या ढलते ही घाटों पर दीपों का सागर उमड़ पड़ता है। घाटों से लेकर रेत के पार तक, हर ओर दीयेकृमानो

धरती पर तारों की वर्षा हो रही हो। माँ गंगा की धारा पर तैरते दीप जैसे जल की नहीं, प्रकाश की लहरें बन जाती हैं। जब सैकड़ों नावें घाटों के बीच तैरती हैं, तो लगता है जैसे नक्षत्रों की पूरी माला गंगा में तैर रही हो। गंगा की गोद में बैठा हर व्यक्ति उस क्षण भक्त से कवि बन जाता है। हवा में मंत्रोच्चार, आरती की ध्वनि और दीपों की लौ, सब मिलकर ऐसा सामंजस्य रचते हैं जो केवल काशी में संभव है।

यह केवल उत्सव नहीं, आत्मा का जागरण है, देवत्व का दर्शन। देव दीपावली की परंपरा धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर से भी जुड़ी है। उन्होंने पंचगंगा घाट पर पत्थरों से बना हजारा दीप स्तंभ स्थापित कराया था, जो आज भी इस परंपरा का साक्षी है। आधुनिक स्वरूप में यह आयोजन बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में नये आयाम पाता गया। 1989 से देव दीपावली सभी चैरासी घाटों पर मनाई जाने लगी, और देखते ही देखते यह महोत्सव वैश्विक पहचान बन गया। आज देव दीपावली केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। देश-विदेश से पर्यटक यहां आते हैं, घाटों की सीढ़ियां महीनों पहले से सजाई जाती हैं, और गंगा सेवा निधि, देव दीपावली महासमिति जैसी संस्थाएं महीनों पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। कोई दीप देता है, कोई तेल, कोई आयोजन की थीम तय करता है। यह केवल पर्व नहीं, बल्कि जन-भागीदारी का संगम है।

कहते हैं देव दीपावली की रात 33 करोड़ देवी-देवता काशी में अवतरित होते हैं। गंगा के दोनों तटों पर लाखों दीप जलते हैं, जल में, रेत पर, घाटों पर, मंदिरों में। उस समय ऐसा लगता है जैसे हर दीप में देवता विराजमान हैं। काशी के चैरासी घाटों में 15 लाख दीपों का समुद्र लहराता है। किसी घाट पर आरती, किसी पर संगीत, किसी पर नृत्य और किसी पर ध्यान, हर घाट अपनी कथा कहता है। इन दीपों के बीच बैठकर गंगा का प्रवाह देखना, स्वयं देवत्व से संवाद करने जैसा है।

गंगा आरती केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। यहां शास्त्र, कला, संगीत, नृत्य और दर्शन, सबका अद्भुत संगम होता है। आरती के दौरान पंडितों की गतियों में नृत्य की लय, हाथों में लहराते दीपों में कला की आभा, और गंगा की धार में बहते दीपों में दार्शनिक गहराई झलकती है। विदेशी पर्यटक जब इस दृश्य को देखते हैं, तो उनके चेहरे पर आश्चर्य के साथ श्रद्धा भी दिखाई देती है। उनके लिए यह एक आध्यात्मिक कला का जीवंत प्रदर्शन है; हमारे लिए यह आत्मा की साधना।

संस्कृति से वैश्विक पहचान तक

आज देव दीपावली केवल काशी की नहीं, पूरे भारत की पहचान बन चुकी है। गंगा के तीन किमी क्षेत्र में फैले घाटों पर जगमगाते दीपों का दृश्य किसी चमत्कार से कम नहीं। यही कारण है कि इसे देखने के लिए महीनों पहले से होटल, धर्मशालाएं, नौकाएं, बजड़े तक बुक हो जाते हैं। कोई आयोजन विश्व के किसी देश में ऐसा नहीं जहां एक नदी के दोनों तटों पर एक साथ लाखों दीप जलाकर स्वर्ग का रूप धर लिया जाए। यह आयोजन न केवल धार्मिक है, बल्कि पर्यावरण, पर्यटन, और लोककला का भी पर्व बन चुका है।

काशी केवल मोक्ष की नगरी नहीं, यह जीवन की पूर्णता की नगरी है। यहां मृत्यु भी उतनी ही पवित्र है जितना जीवन। यही कारण है कि देव दीपावली में केवल पूजा नहीं होती, बल्कि जीवन की निरंतरता का उत्सव मनाया जाता है। जिस गंगा में अस्थियां विसर्जित होती हैं, उसी में दीप बहाए जाते हैं। यह विरोधाभास नहीं, दर्शन है, प्रकाश और अंधकार, जीवन और मृत्यु, आरंभ और अंत, सबका संतुलन। यही काशी की आत्मा है, यही देव दीपावली का संदेश।

जब दीप में झलकता देवत्व

दीप केवल मिट्टी का नहीं होता, वह प्रतीक होता है ज्ञान का, सत्य का, ईश्वर से मनुष्य के संबंध का। जब हम दीप जलाते हैं, तो उस लौ में अपना अहंकार पिघलाते हैं। गंगा की लहरों पर तैरता दीप हमें यह याद दिलाता है कि जीवन भी एक प्रवाह है, जो देने में सुंदर है, जलने में नहीं मिटता, और प्रकाश बांटने में अमर होता है। काशी की देव दीपावली में हर दीप केवल एक ज्योति नहीं, बल्कि एक प्रार्थना है, हमारे भीतर भी वह दिव्यता जागे, जो देवताओं को पृथ्वी पर खींच लाती है।

मैं स्वयं देवलोक हूं

देव दीपावली की रात काशी सचमुच बोल उठती है, यहां केवल मंदिर और आरती नहीं, यहां देवता उतरते हैं। यहां स्वर्ग नहीं, स्वयं देवत्व वास करता है। गंगा की लहरों पर झिलमिलाते दीप, घाटों पर नृत्य करती आरतियां, आकाश में चांदनी और मन में श्रद्धा, यह दृश्य केवल काशी में संभव है। क्योंकि काशी वह स्थान है जहां आस्था नदी बनकर बहती है, प्रकाश पर्व बनकर जगमगाती है, और देवत्व बनकर हर आत्मा को छू जाती है। जब गंगा की लहरों पर दीप तैरते हैं, देवता झूमते हैं, और काशी आलोकित होती है, तो सचमुच लगता है, स्वर्ग यहीं है, काशी में, मां गंगा की गोद में। काशी की यह परंपरा उतनी ही प्राचीन है जितनी स्वयं गंगा। अहिल्याबाई होल्कर द्वारा स्थापित पंचगंगा घाट का हजारा दीप स्तंभ इस परंपरा का साक्षी है। देव दीपावली के इस आयोजन में समाज का हर वर्ग सहभागी होता है, नाविक से लेकर पुष्प विक्रेता तक। कोई दीप लाता है, कोई तेल, कोई आरती की थीम तय करता है। गंगा सेवा निधि और देव दीपावली महासमिति जैसे संगठन महीनों पहले से जुट जाते हैं, ताकि यह उत्सव अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके। यह वह क्षण है जब काशी सचमुच कह उठती है, यहां स्वर्ग नहीं, स्वयं देवता वास करते हैं।

यूक्रेन युद्ध से वैश्विक संकट की आहट, तबाही सन्निकट

संजीव ठाकुर

रूस-यूक्रेन युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के लिए संभावित विनाश का संकेत बन चुका है। यह युद्ध आधुनिक सभ्यता के सामने एक ऐसी चुनौती प्रस्तुत कर रहा है जिसमें मानवीय संवेदनाएँ, वैश्विक शांति और राजनीतिक संतुलन सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। रूस की बौखलाहट, अमेरिका और नाटो देशों के हस्तक्षेप के साथ मिलकर इस युद्ध को तीसरे विश्वयुद्ध की दहलीज पर ला खड़ा कर चुकी है। रूस ने अमेरिका को खुले शब्दों में चेताया है कि यदि पश्चिमी देश इसी तरह यूक्रेन की आर्थिक और सामरिक मदद करते रहे तो उसे परमाणु या जैविक हथियारों के प्रयोग पर विवश होना पड़ सकता है। यह चेतावनी केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि आने वाले संकट का संकेत है, क्योंकि कीव पर हाल में किए गए रूस के बमवर्षक हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुतिन अब अपनी हार छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक संबोधन में कहा था कि रूस और चीन का सीमा-विहीन गठबंधन वैश्विक शांति के लिए अत्यंत खतरनाक है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बीच यह रणनीतिक गठबंधन गहराता गया तो विश्वयुद्ध की संभावना को टाला नहीं जा सकेगा। सोरस के अनुसार यह संघर्ष अगर अनियंत्रित हुआ तो हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और यह युद्ध समस्त मानवीय मूल्यों को मलबे में बदल देगा। पुतिन और शी जिनपिंग ने अपने हालिया संयुक्त बयान में स्पष्ट कर दिया था कि उनके संबंधों और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। यह बयान एक नई ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है जिसमें चीन और रूस एक साथ पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने की तैयारी में हैं। पुतिन ने शी जिनपिंग को यूक्रेन पर विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी पहले ही दे दी थी, जिससे स्पष्ट है कि यह सब एक सुनियोजित रणनीति के अंतर्गत हुआ था। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की कार्रवाई का विरोध किया, वहीं युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवारों ने भी देश के भीतर असंतोष प्रकट किया है। यूक्रेन पर आक्रमण के समय पुतिन को यह भ्रम था कि यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा-भाषी नागरिक उनका समर्थन करेंगे, परंतु हुआ इसके ठीक विपरीत–उन्होंने यूक्रेन पर हमले की निंदा करते हुए रूस से नाता तोड़ लिया। यह पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका था जिसने उनके आत्मविश्वास को हिला दिया। अब उन्हें यह एहसास होने लगा है कि उन्होंने एक ऐतिहासिक भूल की है और इसी कारण वे संघर्ष-विराम की संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं, किंतु वर्तमान परिदृश्य में विश्व समुदाय का विश्वास रूस से उठ चुका है। अब स्थिति यह बनती जा रही है कि या तो पुतिन अपनी राजनीतिक विफलता स्वीकार कर पद छोड़ दें या फिर चीन के सहयोग से इस संघर्ष को और गहराकर विश्व युद्ध की दिशा में ले जाएँ। रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक लगभग तीस लाख करोड़ रुपए निगल चुका है और इसका अंत अभी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता। अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को लगातार हथियार, आर्थिक सहायता और युद्धक रणनीतियाँ मुहैया कराकर उसे एक मजबूत प्रतिरोधक शक्ति में बदल दिया है। इस सहायता से यूक्रेन न केवल टिके रहने में सफल रहा है बल्कि उसने रूस के कई मोर्चों पर पलटवार भी किया है। दूसरी ओर, रूस के सैनिकों और कमांडरों का मनोबल टूटने लगा है, जबकि रूसी नागरिकों में युद्ध के खिलाफ असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब यूक्रेन के पास न धन की कमी है, न हथियारों की। उसके नागरिक अपने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पूरी निष्ठा और उत्साह से खड़े हैं। हालांकि युद्ध की विभीषिका भयंकर है – मारियोपोल जैसे शहरों में इमारतों के मलबे के नीचे से सैकड़ों शव निकाले जा रहे हैं, जिससे वहां मानवता कराह रही है। लगभग एक करोड़ यूक्रेनी नागरिक पोलैंड और अन्य यूरोपीय देशों में शरणार्थियों की तरह जीवन बिता रहे हैं। यूरोपीय देश उन्हें हर संभव सहायता दे रहे हैं और यह संघर्ष अब केवल युद्ध का नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व का भी बन चुका है। इस युद्ध की आंच अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक फैलने लगी है। चीन और रूस के गठबंधन के खतरे को देखते हुए अमेरिका ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ टोक्यो सम्मेलन में सैन्य-रणनीतिक गठबंधन मजबूत करने का निर्णय लिया है। क्वाड जैसे संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों का प्रतिरोध कर रहे हैं। अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समुदाय गठित कर चीन को वैश्विक व्यापारिक योजनाओं से अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चीन अब लद्दाख सीमा पर अपनी सैन्य गतिविधियाँ बढ़ाकर भारत को दबाव में लाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भारत सहित प्रशांत क्षेत्र के देश सतर्क हैं और संयुक्त रूप से इस नए भू-राजनीतिक खतरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश अब चीन-रूस गठबंधन को वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा मान रहे हैं और विश्व को इनके विरुद्ध एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक ऐसा दर्पण बन गया है जिसमें आधुनिक विश्व की नैतिकता, शक्ति और सभ्यता का चेहरा दिखाई दे रहा है। यदि यह युद्ध अनियंत्रित हुआ तो न केवल यूरोप बल्कि एशिया और अमेरिका तक इसके परिणाम पहुँचेंगे। इसलिए अब केवल एक ही विकल्प शेष है – इस युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का सामूहिक प्रयास। जॉर्ज सोरस का कथन बिल्कुल सार्थक प्रतीत होता है कि ह्लमानव सभ्यता को बचाने का सर्वोत्तम और एकमात्र तरीका है पुतिन को हराना और युद्ध को समाप्त करना।ह्व आज विश्व राजनीति का हर मोर्चा, हर राष्ट्र, हर कूटनीति इस निर्णय के सामने खड़ा है कि क्या हम शांति को बचाने के लिए एकजुट होंगे या अहंकार, शक्ति और स्वार्थ के कारण अपनी ही सभ्यता को मिटा देंगे। समय साक्षी है कि परमाणु और जैविक हथियारों की धमकी के साये में मानवता बहुत देर तक नहीं टिक सकती। यदि यह युद्ध अब भी नहीं थमा, तो अगली सुबह शायद इतिहास नहीं लिखी जाएगी। यही समय है जब विश्व को अपनी सामूहिक बुद्धि, विवेक और करुणा से निर्णय लेना होगा, वरना यह युद्ध सभ्यता की अंतिम कहानी बन जाएगा।

महाभारत कालीन अतीत की समृतियां सहेजे है गढ़मुक्तेश्वर कार्तिक मेला

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला महाभारत कालीन अतीत से जुड़ा है।भारत की सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बन चुका है। आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है। दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र है। जिले के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भी कहा है कि कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला एकता, भाईचारा, सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है। दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला गंगा स्नान का पर्व और यह मेला यहां अनादिकाल से चला आ रहा है। महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले इस पवित्र और प्रसिद्ध स्नान पर्व और यहां लगने वाले मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है । बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के एतिहासिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक महत्व को व्यक्त करते हैं, वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी सबसे पहले प्रसिद्ध हुआ था। शिवपुराण के आज के अनुसार इस 'गढ़मुक्तेश्वर' का प्राचीन नाम 'शिववल्लभ' था, जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है। पुराणों में गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा के बारे में बताया गया है, कि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपने जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुवार्सा के द्वारा दिए गए पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तिश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तिश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है। लेकिन, समय के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा के उच्चारण के कारण यह नाम गणमुक्तेश्वर से बदल कर गढ़ मुक्तेश्वर कहलाने लगा है। त्रेता युग में भी गढ़मुक्तेश्वर की महिमा का वर्णन है। शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डवी वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने एक ऐसे ही शिवलिंग की स्थापना की थी, और उसी स्थान पर बने शिव मंदिर के आस-पास के क्षेत्र का नाम बाद में शिव वल्लभ पुर पड़ गया। महाभारत काल की बात करें तो त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रथ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था। सम्राट युधिष्ठिर ने भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववर्षपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया था।

सम्राट युधिष्ठिर ने कार्तिक शुक्ल अष्टमी के ही दिन गौ पूजन करके गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर गंगा मैदान में धार्मिक संस्कार करके पिंडदान किया । यह दिन कार्तिक एकादशी का था, जिसे हम आज भी देवोत्थान एकादशी के नाम से भी जानते हैं। महाभारत युद्ध में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए एकादशी से चतुर्दशी तक यहां यज्ञ किया गया, और इसके अगले दिन अर्थात पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके कथा का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि इस साल ऐतिहासिक गढ़मुक्तेश्वर मेले को 'मिनी-कुंभ' के रूप में आयोजित किया जाएगा। यह मेला उत्तर प्रदेश की गहरी आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता प्रतीक है। यह मेला 5 नवंबर तक चलेगा। राज्य सरकार का लक्ष्य इसे पूरी श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ आयोजित करना है, ताकि हर श्रद्धालु शांति और दिव्य आशीर्वाद लेकर लौटे। इस मेले में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर में होने वाले वार्षिक कार्तिक पूर्णिमा मेले और अमरोहा के तिगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की। मेले की जगहों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद, उन्होंने एक समीक्षा बैठक की और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा के किनारे करीब 40 से 45 लाख श्रद्धालु पवित्र स्नान करने और दीपदान करने आते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्रद्धालुओं के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाएं समय पर और अच्छी तरह से समन्वित होनी चाहिए। सीएम योगी ने अधिकारियों को यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं, पीने के पानी और प्रकाश व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए, मुख्यमंत्री ने सभी गंगा घाटों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों की तैनाती, सीसीटीवी और ड्रोन निगरानी, बचाव नौकाओं और हेल्पलाइन केंद्रों की स्थापना का निर्देश दिया। उन्होंने मेले को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेशों से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। सिंचाई विभाग को चेकरबोर्ड प्लेटों की स्थापना, पोंटून पुलों के परीक्षण और कटाव-प्रवण क्षेत्रों में ड्रेनिंग कार्य को समय पर पूरा करने का काम सौंपा गया है। इस बार मेले का मुख्य स्नान 5 नवंबर को है। इस दिन तीस से पचास लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर कीमत पर मेला किसी अप्रिय घटना से रहित संपन्न कराने की जिम्मेदारी प्रशासन पर सौंपी है। मुख्यमंत्री योगी स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

(मनोज कुमार अग्रवाल – विभूति फीचर्स)

जिला परिषद पालघर में पहली बार हुई ऑनलाइन कार्य वितरण प्रक्रिया

विकास कार्यों में पारदर्शिता की दिशा में डिजिटल कदम

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद ने विकास कार्यों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश से मंगलवार 4 नवंबर 2025 को पहली बार ऑनलाइन कामवाटप (कार्यवितरण) प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। यह प्रक्रिया जिला परिषद के जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में आयोजित की गई।

यह ऑनलाइन प्रक्रिया मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे तथा कार्यकारी अभियंता (निर्माण) जागृती संखे की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस नवीन पद्धति के अंतर्गत जिलेभर से 306 सुशिक्षित बेरोजगार अभियंताओं और 71 मजूर कामगार सहकारी संस्थाओं ने नोंदणी की थी। अभियंताओं के लिए उपलब्ध 207 कार्यों के लिए कुल 2003 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि मजूर सहकारी संस्थाओं के 156 कार्यों के लिए 893 आवेदन प्राप्त हुए। कार्यवितरण के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों को ऑनलाइन प्रणाली का लाइव डेमो भी दिखाया गया। जैसे ही किसी ठेकेदार को काम आवंटित हुआ, उसी क्षण उसके मोबाइल पर शिफारस पत्र (वर्क ऑर्डर) प्राप्त हुआ और वहीं तत्काल उसकी सत्यता जांची गई। इस पारदर्शी एवं स्वयंचालित प्रक्रिया से उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने संतोष व्यक्त किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि यह ऑनलाइन प्रणाली केवल तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि प्रशासनिक विश्वास और पारदर्शिता का नया आधार है। पालघर जिला परिषद ने इस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू कर एक नई मिसाल कायम की है। अब संपूर्ण कामवाटप प्रक्रिया पूरी तरह कंप्यूटर आधारित होने से मानवी हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। यह पद्धति वास्तव में सरल, पारदर्शी और सर्वसमावेशक है। उन्होंने आगे कहा कि जिन्हें कार्य आवंटित हुआ है, वे ईमानदारी से, गुणवत्तापूर्ण तरीके से और समय सीमा में कार्य पूर्ण करें। अपना काम किसी अन्य को न सौंपें। साथ ही अधिकाधिक सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता और मजूर सहकारी संस्थाएं इस ऑनलाइन प्रणाली से जुड़ें। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अभियंताओं और मजूर सहकारी संस्थाओं ने जिला परिषद के इस पारदर्शी और डिजिटल उपक्रम के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बांधकाम विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बोईसर पालघर पत्रकार संघ ने नवागत बोईसर पुलिस थाना प्रभारी सुनील जाधव से की औपचारिक भेंट

पालघर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक सरोकारों व जनहित कार्यों में सक्रिय बोईसर - पालघर पत्रकार संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मंगलवार 4 नवंबर 2025 को बोईसर पुलिस थाने में नवागत थाना प्रभारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील जाधव से औपचारिक भेंट की। पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने नवागत थाना प्रभारी का पुष्पगुच्छ व भेंट वस्तु से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान पत्रकारिता एवं पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय व संवाद को और सुदृढ़ करने पर चर्चा की। थाना प्रभारी सुनील जाधव ने भी पत्रकार संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए निष्पक्ष व जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने का आग्रह किया। इस अवसर पर बोईसर - पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के संस्थापक व अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, उपाध्यक्ष भूपनारायण शुक्ला एवं प्रवीण पाटील, महासचिव मोहन म्हात्रे, सचिव दीपक निराला, पूर्व सचिव ओम प्रकाश द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

महेश चौगुले के हाथों गोरसई पोस्टमैन पाड़ा सड़क का हुआ भूमिपूजन

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक आते ही जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों का उद्घाटन करना शुरू कर दिया है। इसी तरह भिवंडी शहर के निकट गोरसई ग्राम पंचायत क्षेत्र में 2.80 करोड़ रुपये की लागत से हाईवे से पोस्टमैन पाड़ा तक बन रही कंक्रीट सड़क का उद्घाटन विधायक महेश चौघुले के शुभ हाथों से नारियल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर भाजपा भिवंडी शहर अध्यक्ष रवि सावंत, पूर्व जिला परिषद सदस्य बालकृष्ण ठाकरे, भिवंडी ग्रामीण उत्तर मंडल अध्यक्ष नीलेश गुरव, भाजपा व्यापारी आघाड़ी जिला अध्यक्ष यशवंत सोरे, शरद ठाकरे, उमेश गायकवाड़, विलास भोईर, अनंत केणे, मुरलीधर केणे, रविकांत पाटिल, सुनील पाटिल, गोरसई ग्राम पंचायत सरपंच सुदेश गायकवाड, सावंदे ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिभा गायकवाड आदि के साथ असंख्य ग्रामीण उपस्थित थे। विधायक महेश चौघुले ने कहा कि सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण के लिए करोड़ों रुपए उपलब्ध करा रही है लेकिन अब स्थानीय लोगों को इन कार्यों पर नजर रखनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि काम उच्च गुणवत्ता का हो रहा है या नहीं।

अभिनेता अरुण कदम, राहुल रुके ने बांद्रा के भाभा अस्पताल में मरीजों को फल बांटकर मनाया जन्मदिन

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। लोकप्रिय हास्य अभिनेता अरुण कदम और सामाजिक कार्यकर्ता राहुल राजेंद्र रुके ने मुंबई के भाभा अस्पताल में गरीब मरीजों को फल वितरित करके अपना जन्मदिन अनोखे अंदाज में मनाया। बता दें कि वैशाली फाउंडेशन के अभिनेता अरुण कदम और उदंड प्रतिष्ठान के राहुल राजेंद्र रुके का जन्मदिन एक ही दिन है, इसलिए, कार्यकर्ताओं ने उनका जन्मदिन अनोखे तरीके से मनाने का फैसला किया। पत्रकारों से बात करते हुए अरुण कदम ने कहा कि वह गरीब मरीजों का दर्द दूर करने और उन्हें नई जिंदगी देने के लिए इस कार्यक्रम में शामिल हुए। गरीब मरीजों के बीच अपना जन्मदिन मनाने से मुझे जो ऊर्जा मिली, वह मेरे अभिनय को और ऊंचाइयों पर ले जाएगी, और मुझे लगा कि यह एक अनूठा अनुभव था। मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि चूंकि मेरा जन्मदिन अभिनेता अरुण कदम के जन्मदिन पर पड़ता है, इसलिए इस कार्यक्रम में मरीजों को फल वितरित करके मेरी खुशी दोगुनी हो गई है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने लिटरेचर लाइव, द मुंबई लिटफेस्ट के साथ साझेदारी की

मुंबई/पटना। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने 'लिटरेचर लाइव! द मुंबई लिटफेस्ट' के साथ अपनी साझेदारी जारी रखने की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित साहित्य महोत्सव अब अपने 16वें संस्करण में प्रवेश कर रहा है, जो 7 से 9 नवंबर 2025 तक एनसीपीए, नरीमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में 10 से अधिक देशों के 120 से भी अधिक प्रसिद्ध लेखक, वक्ता, विचारक और कलाकार शामिल हो रहे हैं। यह मंच विविध विचारों, कहानियों और दृष्टिकोणों का एक समृद्ध संगम पेश करेगा, जिसका उद्देश्य विचार, संवाद और खोज को प्रेरित करना है। गोदरेज ॲएकलैब की विशेष सत्र श्रृंखला भी इसमें शामिल होगी, जो विविधता, समानता और समावेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगी।

लोढ़ा वेनेज़िया में नवनिर्मित मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोढ़ा वेनेज़िया में श्री पार्श्व वेनेज़िया संघ द्वारा आयोजित नवनिर्मित मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ रविवार को पवित्र पत्रिका लेखन के साथ हुआ।

इस दिव्य अवसर का शुभारंभ आचार्य भगवंत श्री नयपद्मसागरजी महारासाहेब एवं गुरुवर्य मयनाश्रीजी महारासाहेब की पावन निश्रा से हुई। कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं डॉ मंजु लोढ़ा की उपस्थिति ने इस पावन क्षण आत्मीय बना दिया। दोनों ने श्रद्धा और आस्था से पत्रिका लेखन में भाग लिया और धर्म की इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा बने। यह आयोजन श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिकता की अनोखी यात्रा का प्रतीक है, जो लोढ़ा वेनेज़िया में धर्म और संस्कृति की नई ज्योति प्रज्वलित करेगा।

विकास निधि के पक्षपातपूर्ण वितरण को लेकर अर्जुन सिंह ने जताई नाराजगी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अर्जुन सिंह ने बीएमसी प्रशासन के अधिकारियों पर विकास निधि के असमान वितरण व पक्षपात को लेकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएमसी की यह नीति विपक्ष के साथ सरासर अन्यायपूर्ण है। सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों को सांसद, विधायक एमएलसी को करोड़ों रुपए की विकास निधि दी जा रही है ,जबकि अपक्ष के सांसद विधायक जनप्रतिनिधियों को कुछ नहीं दिया जा रहा है। यह सौतेला व दोहरापन दुर्व्यवहार बीएमसी के अधिकारियों को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि यह कहीं ना कहीं सत्ता पक्ष के दबाव में हो रहा है । अर्जुन सिंह ने आगे कहा कि बीएमसी प्रशासन ने चुनाव से पहले सत्ताधारी दलों के नेताओं के लिए विकास का खजाना खोल दिया है, जिससे उन्हें आगामी बीएमसी चुनाव में लाभ मिले । उन्होंने बताया कि बीएमसी के एक अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीजेपी के 15 विधायकों को कुल 262 करोड रुपए से अधिक की निधि दी गई है, जबकि शिंदे गुट के 6 विधायकों को 105 करोड रुपए मिले है। इसके अलावा मुंबई सत्ताधारी एमएलसी को 12 करोड रुपए और केंद्रीय मंत्री व उत्तर मुंबई के सांसद पीयूष गोयल को साढे 17 करोड रुपए का फंड आवंटित किया गया है । श्री सिंह ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष के सांसद और विधायक अन्य जनप्रतिनिधि उद्धव गुट के 10, कांग्रेस के तीन और सपा के एक विधायक को अब तक कोई निधि आवंटित क्यों नहीं की गई है ? इसके चलते जनता में भारी आक्रोश है। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि बीएमसी द्वारा सत्ताधारी दलों को दिया गया भारी भरकम फंड चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकता है । श्री सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधि की नजर में चाहे पक्ष के मतदाता हों अथवा अपक्ष के, उनके लिए सभी एक समान हैं इसलिए उसे सभी का समान रूप से कार्य करना चाहिए। सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ बीएमसी में कार्यरत अधिकारियों को यह शोभा नहीं देता। आने वाले चुनाव में जनता इस भेदभावपूर्ण व्यवहार का जवाब देगी। उन्होंने कहा कि जनता सब जानती है और सब देख रही है। गौरतलब हो कि राज्य में एकनाथ शिंदे सरकार के गठन के बाद से ही विपक्ष लगातार बीएमसी पर भेदभाव रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है । इस मामले में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

कल्याण स्टेशन से अपहरण 8 महीने के बच्चे को पुलिस ने खोज निकाला

बच्चा अपहरण मामले में दो लोग गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पुलिस ने 8 महीने के अपहृत शिशु को मात्र 6 घंटे में सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी अक्षय शैलेश खरे की पहचान की और बच्चे को बचा लिया। इस कार्रवाई से पुलिस की तत्परता और सूझबूझ का पता चलता है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच को आगे बढ़ाया तो पता चला कि आरोपी ने बच्चे को अपनी रिश्तेदार सविता चंद्रकांत खरे के घर लालचंद चाल, सिंडीगेट कल्याण पश्चिम में छिपाया था। दोनों को गिरफ्तार कर बच्चा सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। यह सराहनीय कार्रवाई पुलिस उपायुक्त, परिमंडल 3 कल्याण, सहायक पुलिस आयुक्त कल्याण विभाग तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन के मार्गदर्शन में पूरी की गई। पुलिस की तेज कार्रवाई और टीमवर्क से एक मासूम की जान बचाई जा सकी। आगे की जांच कल्याण रेलवे पुलिस कर रही है।

भिवंडी मनपा के वाहन चालक की बेटी के चार्टर्ड एकाउंटेंट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर भिवंडी मनपा आयुक्त ने किया सत्कार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगर पालिका के एक ड्राइवर की बेटी ने दिखा दिया है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो सफलता जरूर मिलती है। भिवंडी महानगर पालिका में 28 वर्षों से ड्राइवर के पद पर कार्यरत चंद्रशेखर धेड़े की बेटी गायत्री ने सीए की परीक्षा अपने दूसरे प्रयास में सफलता हासिल की है। बतादें कि गायत्री चंद्रशेखर धेड़े ने अपनी माध्यमिक शिक्षा कैप्टन रवींद्र माधव ओक हाई स्कूल और कालेज की शिक्षा वझे केलकर महाविद्यालय से पूरी करने के बाद सीए परीक्षा की तैयारी शुरू किया। गायत्री के इस चुनौतीपूर्ण परीक्षा में सफल होने पर मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने मनपा मुख्यालय में शाल, पुष्पगुच्छ व सम्मानपत्र देकर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सभी छात्र गायत्री धेडे उदाहरण का अनुसरण करते हुये कामयाबी हासिल करें और अपने माता के साथ अपने समाज का नाम रोशन करें। इस अवसर पर गायत्री के पिता चंद्रशेखर धेडे और माता सुनंदा धेडे उपस्थित थे।

इसी तरह शासकीय वाहन चालक संघ भिवंडी महानगर पालिका विभाग की ओर से भिवंडी इकाई अध्यक्ष राजेश जाधव के नेतृत्व में सभी ड्राइवरों ने गायत्री और उनके माता-पिता का सम्मान किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। मनपा आयुक्त व लोगों द्वारा किये जा रहे सम्मान से प्रफुल्लित गायत्री धेडे ने कहा कि मुझे निश्चित रूप से खुशी है लेकिन इसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है जिन्होंने मुझ पर विश्वास कर मुझे प्रोत्साहित किया और मैंने अपने माता पिता के विश्वास पर खरी उतरते हुये इस मुकाम को हासिल किया।

प्रो. दयानंद तिवारी नेपाल में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में करेंगे महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी साहित्य भारती के महाराष्ट्र अध्यक्ष प्रो. दयानंद तिवारी को नेपाल में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी श्रृंखला में भारत के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह संगोष्ठी 10 नवम्बर से 17 नवम्बर 2025 तक नेपाल में आयोजित की जा रही है। भारत से चुने गए कुल 25 प्रतिनिधियों में से प्रो. तिवारी महाराष्ट्र राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति, शिक्षा और जीवन-मूल्यों में निहित रामचरितमानस की प्रासंगिकता पर विमर्श करना है। प्रो. दयानंद तिवारी अपने व्याख्यानों के माध्यम से रामचरितमानस को आधुनिक शिक्षा और सामाजिक चेतना से जोड़ने की दिशा में अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

प्रो. दयानंद तिवारी इस समय श्री जेजेटी विश्वविद्यालय, राजस्थान के हिंदी विभाग में प्रोफेसर एवं शोध-आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। वे एक प्रतिष्ठित साहित्यकार, शिक्षाविद और स्तंभकार हैं। इससे पूर्व वे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय (इंग्लैंड) में भी भारतीय साहित्य पर प्रपत्र प्रस्तुत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ा चुके हैं। उनके विद्वतापूर्ण योगदान, सामाजिक दृष्टि और साहित्यिक संवेदना को देखते हुए उन्हें इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इस संगोष्ठी में उनके व्याख्यान भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़े मानवीय मूल्यों और शिक्षा-संस्कृति के समन्वय पर केंद्रित होंगे।

बजाज फाइनेंस ने फेस्टिव लोन वॉल्युम में 27% की वृद्धि दर्ज की

पालघर (उत्तरशक्ति)। भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्था और बजाज फिनसर्व समूह का हिस्सा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि इस फेस्टिव सीजन में उपभोक्ता कर्ज की मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में 27% अधिक संख्या में और 29% अधिक मूल्य के उपभोक्ता कर्ज वितरित किए हैं। उपभोक्ता वस्तुओं के लिए लिए गए इन कर्ज में बढ़ोतरी सरकार के अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर दरों में किए गए बदलावों का सकारात्मक परिणाम है, जिनका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना रहा है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 63 लाख कर्ज वितरित किए। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक जोड़े, जिनमें से 52% न्यू-टू-क्रेडिट (पहली बार कर्ज लेने वाले) थे, जिससे वित्तीय समावेशन को व्यापकता मिली। बजाज फाइनेंस के चेयरमैन संजीव बजाज ने कहा, सरकार के नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधारों और आयकर की दरों में बदलावों ने भारत की उपभोग-आधारित विकास कहानी को नई ऊर्जा दी है। इन कदमों से रोजमर्रा की वस्तुएं अधिक सुलभ हुई हैं, जिससे लाखों मध्यम और निम्न आय वर्गीय परिवार आत्मविश्वास के साथ त्योहारी खरीदारी कर सके हैं। यह असर केवल 27% अधिक उपभोक्ता कर्ज वितरण में ही नहीं दिखा, बल्कि उपभोक्ताओं के बेहतर जीवनशैली के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर झुकाव में भी देखा गया। उन्होंने आगे कहा, इस त्योहारी सीजन में हमारे आधे से अधिक नए ग्राहक न्यू-टू-क्रेडिट हैं, जिन्होंने पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से कर्ज लिया है। बजाज फाइनेंस की डिजिटल सेवाओं और पूरे भारत में 4,200 स्थानों पर फैले 2.39 लाख वितरण केंद्रों के माध्यम से हम वित्तीय समावेशन को और गहराई दे रहे हैं और भारतीय उपभोक्ता की प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं। टीवी और एयर-कंडीशनर पर कम जीएसटी दरों ने उपभोक्ताओं को औसत कर्ज टिकट साइज में 6% की कमी के साथ उच्च श्रेणी के उत्पादों में अपग्रेड करने में सक्षम बनाया है। टीवी फाइनेंसिंग में प्रीमियमाइजेशन ट्रेंड स्पष्ट रूप से दिखाई दिया – जहाँ 40 इंच या उससे अधिक स्क्रीन वाले टीवी अब कंपनी के कुल फंडेड टीवी में 71% हिस्सेदारी रखते हैं, जो पिछले वर्ष 67% थी।

श्याम मेटैलिक्स की रामसरूप इंडस्ट्रीज लिमिटेड शुरू कर रही है आधुनिक ब्लास्ट फर्नेस

मुंबई। रामसरूप इंडस्ट्रीज लिमिटेड , जो श्याम मेटालिक्स का एक हिस्सा है और भारत की अग्रणी एकीकृत धातु निर्माण कंपनियों में से एक है, एक अत्याधुनिक आधुनिक ब्लास्ट फर्नेस शुरू करने जा रही है। आज इसके स्टोव हीटिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, और सभी निर्धारित प्रक्रियाओं व प्रारंभिक गतिविधियों के पूर्ण होने के बाद यह अत्याधुनिक इकाई नवंबर 2025 के अंत तक वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी। इसी के साथ कंपनी का लिनियर सिंटर प्लांट भी चालू किया जाएगा, जिसका वाणिज्यिक उत्पादन नवंबर 2025 के तीसरे सप्ताह से शुरू होगा। यह संपूर्ण परियोजना 369 करोड़ के निवेश का हिस्सा है। नव स्थापित ब्लास्ट फर्नेस की क्षमता 0.45 मिलियन टन प्रति वर्ष है, जिससे संयंत्र की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 350 घन मीटर आयतन वाला यह ब्लास्ट फर्नेस तीन टॉप-फायर्ड स्टोव्स, आधुनिक कोल इंजेक्शन तकनीक और ड्राई गैस क्लीनिंग प्लांट से सुसज्जित है, जो इस्पात निर्माण की प्रक्रिया को अधिक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। इस सुविधा में उन्नत ऊर्जा पुनर्प्राप्ति प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनमें 2.5 मेगावाट टॉप गैस प्रेशर रिकवरी टरबाइन और बीएफजी बॉयलर के माध्यम से 8 मेगावाट की अतिरिक्त ऊर्जा पुनर्प्राप्ति शामिल है, जिससे कुल मिलाकर लगभग 10% अतिरिक्त ऊर्जा की बचत होती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अनियंत्रित ट्रक व कार की भिड़ंत में कार सवार सभी आठ लोगों की मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। बाराबंकी के देवा फतेहपुर मार्ग पर सोमवार रात तेज रफ्तार ट्रक और कार में हुई भिड़ंत में छह लोगों की मौत हो गई थी जबकि दो लोगों ने रात में इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी है। दो शवों का पोस्टमार्टम लखनऊ में किया जा रहा है जबकि छह शव पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए हैं, जिनका पोस्टमार्टम शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक फतेहपुर कस्बे के भाजपा नेता गिरधर गोपाल की बिना नंबर की नई अर्टिगा कार लेकर कस्बे के ही मौलवीगंज निवासी प्रदीप रस्तोगी (55) अपने परिवार के साथ कानपुर के बिठूर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

शाम को लौटते समय जैसे ही उनकी कार कल्याणी नदी पुल के करीब पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार टक्कर लगी। हादसे में प्रदीप रस्तोगी, इनकी पत्नी माधुरी रस्तोगी (52), पुत्र नितिन (35), पुत्र कृष्णा (15), कार चालक मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र खड़ेहरा गांव निवासी श्रीकांत (40) और महेंद्र मिश्र उर्फ बाला (45) की मौत हो गई थी। जबकि इंद्रकुमार मिश्र (50) और विष्णु नाग (15) की रात में इलाज के दौरान केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में मौत हो गई।

इस प्रकार अब तक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। आठ लोग एक ही कार में सवार थे। घटना के बाद आसपास के गांवों के लोग मौके पर दौड़ पड़े। बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार में फंसे शवों को निकालने के लिए पुलिस को गैस कटर मंगवाना पड़ा। कुछ देर तक सड़क पर चीख-पुकार और सन्नाटा दोनों साथ-साथ रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक इतनी तेज रफ्तार से आ रहा था कि ड्राइवर ब्रेक भी नहीं लगा सका। टक्कर के बाद ट्रक कुछ दूर तक घिसटता चला गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है, जो मौके से फरार हो गया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि मृतकों की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दुर्घटना के बाद पूरे फतेहपुर कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। रस्तोगी परिवार कस्बे में काफी सम्मानित माना जाता है। पिता और दो बेटों के एक साथ निधन की खबर सुनकर परिजन बेसुध हो गए। देर रात तक कस्बे के लोग उनके घर पहुंचते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक इतनी तेज रफ्तार से आ रहा था कि ब्रेक लगाने के बाद भी वह कुछ दूर तक घिसटता चला गया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला।

पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि मृतकों की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई है। ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद रस्तोगी परिवार के घर पर लोगों का तांता लग गया।

राधा यादव के जलवे से झूम उठा जौनपुर का अजोसी गांव, महिला विश्वकप जीत पर मना जशन

दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत बना विश्व चैंपियन, ग्रामीणों ने बांटी मिठाइयां

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप जीत ने पूरे देश को रोमांचित कर दिया है। जौनपुर जिले के सिकरारा क्षेत्र के अजोसी गांव की बेटी और टीम इंडिया की स्पिनर राधा यादव के शानदार प्रदर्शन से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। जैसे ही भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व कप अपने नाम किया, राधा के पैतृक गांव अजोसी में जश्न का माहौल बन गया। गांव के महावीर धाम मंदिर परिसर में राधा के भाई मनोज यादव ने ग्रामीणों के साथ मिलकर मिठाइयां बांटीं और देशभक्ति गीतों के बीच खुशी का इजहार किया। इस दौरान सूरज यादव, लालमणि यादव, पंधारी यादव, ललई यादव, शुभम मिश्रा, नानक माली, संजय माली, छोटू यादव समेत कई युवाओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचकर खुशी जताई। ग्रामीणों ने कहा कि राधा ने अपने प्रदर्शन से पूरे जनपद ही नहीं, पूरे देश का नाम रोशन किया है। राधा यादव ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से गांव की बेटियां भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहरा सकती हैं।

जनहित संकल्प यात्रा का कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

विकास भवन पर स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरदार सेना सामाजिक संगठन के द्वारा निकाली जा रही सरदार पटेल स्वाभिमान रथ एवं जनहित संकल्प यात्रा जौनपुर जनपद में प्रवेश करने के बाद सिहोरीवीर में जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल व कार्यकर्ताओं के द्वारा रथ यात्रा में शामिल लोगों का माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया इससे पहले सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल ने सिहोरीवीर में स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए रथ यात्रा को वहां से आगे बढ़ाया गया कि रास्ते में तमाम जगहों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व रथ यात्रा में शामिल तमाम लोगों का स्वागत लोगों ने तमाम जगहों पर किया। कार्यक्रम के दौरान शेखूपुर में स्थित सरदार पटेल के प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुए। इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए जयसिंहपुर, गोपालापुर, जमालापुर, मड़ियाहूं, शीतलगंज, पाली, रामदयालगंज, रसैना, पालिटेक्निक चौराहा, जेसीज चौराहा से होकर रथ यात्रा विकास भवन पर स्थित भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछड़ों,दलितों एवं वंचितों के ऊपर हो रहे अन्याय व अत्याचार के साथ-साथ उनके महापुरुषों का भी अपमान स्वीकार्य नहीं है। इस लिए वंचित समाज का हक, अधिकार तथा सम्मान दिलाने के लिए यह यात्रा सरदार पटेल स्वाभिमान रथ के माध्यम से निकाली जा रही है।

यह यात्रा पिछले कई दिनों से लगातार प्रदेश के तमाम जनपदों से होते हुए जौनपुर में पहुंचा है। इस कार्यक्रम के दौरान चिराग पटेल, अविनाश काकडे, आरसी पटेल, भानू पटेल, सुबास प्रजापति, त्रिभुवन पटेल, राजेश पटेल, बृजेन्द्र पटेल, धीरज यादव, रामसिंह वर्मा, मुन्ना लाल, जंग बहादुर, भावेश पटेल, सतीश पटेल, लालजी पटेल, सुबास पटेल, आशुतोष मौर्य, दीपक पटेल, मनोज गौतम, दीपक आर विश्वकर्मा, मनोज मौर्य, रविशंकर यदुवंशी, मनीष पटेल, रंजन पटेल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

किन्नर अखाड़े में हुए दो फाड़

प्रयागराज में टीना मां ने किया सनातनी किन्नर अखाड़े का गठन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। किन्नर अखाड़े के गठन के दस साल बाद उससे अलग होकर सनातनी किन्नर अखाड़े का बुधवार को संगम नगरी प्रयागराज में विधिवत गठन हो गया। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर और प्रदेश अध्यक्ष स्वामी कौशल्या नंद गिरि उर्फ टीना मां ने सनातनी किन्नर अखाड़े का गठन किया है। गठन से पहले वह अपने शिष्यों के साथ संगम तट पर पहुंचीं। जहां पर उन्होंने त्रिवेणी में स्नान किया और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनका अभिषेक कराया गया। इसके बाद बैरहना स्थित दुर्गा पूजा पार्क में वैदिक ब्राह्मण ने मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से आचार्य महामंडलेश्वर के पद पर पट्टा अभिषेक संपन्न कराया गया। पट्टा अभिषेक के बाद स्वामी कौशल्या नंद गिरी अब सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर बन गई हैं।

इस मौके पर काशी से आए डमरू वादकों ने डमरू बजाकर आरती कराई। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस मौके पर किन्नरों ने नाचते गाते हुए जमकर खुशी मनाई। गौरतलब है कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान महामंडलेश्वर बनाई गई पूर्व फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी उर्फ यामाई ममता नंद गिरी के किन्नर अखाड़े में बढ़ते वर्चस्व को लेकर किन्नरों में नाराजगी चल रही थी। इसके बाद गोरखपुर में ममता कुलकर्णी के अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर दिए गए बयान ने आग में घी का काम किया।

ममता कुलकर्णी को लेकर किन्नर अखाड़े में विवाद कितना बढ़ गया है कि किन्नर अखाड़े में दो फाड़ हो गया है। हसनातनी किन्नर अखाड़ा ह्व का गठन करने के बाद कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां ने सनातन को मजबूत करने और आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर डॉक्टर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी पर तानाशाही पूर्ण तरीके से संचालित करने और फैसले लेने का आरोप लगाया है। कामाख्या पीठाधीश्वर भवानी मां का कहना है कि किन्नर अखाड़ा पहले पंच दशनाम जूना अखाड़े से सम्बद्ध है। वह आगे भी जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरी महाराज के सानिध्य में ही रहेंगे। हालांकि अखाड़े के अंदर उठ रहे असंतोष और विवादों के चलते 2024 में ही भवानी मां ने किन्नर अखाड़े को छोड़ दिया था।

वहीं मुंबई की प्रख्यात सोशल वर्कर व फि ल्म अभिनेत्री श्री गौरी सामंत ने कहा है कि सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेंगी। उन्होंने कहा है कि वह किन्नर अखाड़े की संस्थापक सदस्यों में रही है। लेकिन वास्तव में किन्नर अखाड़ा अपने सही उद्देश्यों से भटक गया था। जिसके चलते अब उन्हें अपनी राह अलग बनानी पड़ रही है। हालांकि उन्होंने कहा है कि उनका अखाड़ा सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के साथ ही साथ सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम करेगा इसके साथ ही संस्कृत शिक्षा को लेकर भी बड़ी पहल करेगा।

73वीं अन्तर जनपदीय वाराणसी जोन पुलिस (महिला/पुरुष) एथलेटिक्स एवं वालीबॉल प्रतियोगिता-2025 का समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन, जौनपुर 73वीं अन्तर जनपदीय वाराणसी जोन पुलिस

एथलेटिक्स (महिला/पुरुष) एवं वालीबॉल (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2025 का सफलतापूर्वक समापन पुलिस लाइन, जनपद जौनपुर में सम्पन्न हुआ। दिनांक 03.11.2025 को आयोजित समापन समारोह अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किये गये।

प्रतियोगिता के दौरान पुरुष वर्ग वालीबॉल का फाइनल मुकाबला कमिश्नरेट वाराणसी एवं जनपद जौनपुर के मध्य खेला गया, जिसमें कमिश्नरेट वाराणसी की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिला वर्ग वालीबॉल का फाइनल मुकाबला जनपद जौनपुर एवं जनपद गाजीपुर के मध्य खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए जनपद जौनपुर की टीम ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त सेपक टकरा (पुरुष वर्ग) का फाइनल मैच जनपद जौनपुर एवं जनपद मिजार्पुर के बीच खेला गया, जिसमें उत्कृष्ट तालमेल व खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए जनपद जौनपुर की टीम ने विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट खेल भावना की सराहना करते हुए कहा गया कि ऐसे प्रतियोगिताओं से पुलिस कर्मियों में अनुशासन, टीम भावना व शारीरिक दक्षता का विकास होता है। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, प्रतियोगिता समिति के सदस्य, निर्णायकगण एवं जनपद के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। वातावरण उत्साह एवं खेल भावना से ओतप्रोत रहा।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाये गये विशेष अभियान में आरोपी जगदीश यादव गिरफ्तार

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति) ' पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों तथा वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बरसठी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण एवं दिशा-निर्देशन में, निरीक्षक बरसठी श्री देवानंद रजक के नेतृत्व में उ0नि0 श्री सुरेन्द्र सिंह मय हमराह द्वारा वारण्टी आरोपी जगदीश यादव पुत्र रामबली यादव, निवासी ग्राम तेजगढ़ थाना बरसठी, जनपद जौनपुर (उम्र लगभग 34 वर्ष) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध माननीय न्यायालय सिविल जज (जू. डि.) जौनपुर द्वारा एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) जारी किया गया था, जो मु0कं0 26371/18, धारा 498ए, 323, 506 भादवि एवं 3/4 डीपी एक्ट थाना बरसठी से संबंधित था। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को संबंधित न्यायालय जौनपुर में चालान कर दिया है।

इलाज के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल युवक की हुई मौत

तीन भाइयों में दूसरे नम्बर का था मृतक, परिवार में मौत की खबर सुनकर मचा कोहराम

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के तरियारी गांव निवासी धर्मेंद्र यादव पुत्र स्व. गजराज यादव उम्र 40 वर्ष सोमवार को मिजार्पुर में सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। जिनका उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर होते ही परिवार में मातम पसर गया।

शव घर पहुंचते ही मची चीख-पुकार

पोस्टमार्टम के बाद शव घर लाया गया शव पहुंचते ही गांव गमगीन हो गया और चीख पुकार मच गई। पत्नी मंजू देवी का करुण क्रंदन देख मौजूद लोगों की आंखें भर आई। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था मृतक के दो पुत्र आजाद यादव 12 वर्ष व यश यादव 5 वर्ष है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक के पास खुद की ट्रक थी जिसे वह खुद चलाता था। देर शाम तक सिहौली गोमतेश्वर घाट पर अंतिम संस्कार किया गया है।

विदित हो कि मृतक धर्मेंद्र यादव ट्रक चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मध्य प्रदेश के हनुमना से मिजार्पुर जा रहे थे जैसे ही वह लालगंज थाना क्षेत्र के तेंदुई गांव पहुंचा तभी ट्रक अनियंत्रित होकर सामने से जा रही ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। भीषण टक्कर में ट्रक

चालक धर्मेंद्र यादव केबिन में फस गया। मौके पर पहुंची पुलिस और राहगीरों की कड़ी मशक्कत के बाद फसे केबिन से बाहर निकाला गया तात्पश्चात उपचार हेतु सामुदायिक केंद्र भेजा गया जहां चिकित्सकों ने स्थित गंभीर देख मंडलीय अस्पताल मिजार्पुर रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान मौत हो गई जिसकी सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। मौत की खबर होते ही परिवार में हड़कंप मच गया आनन-फानन में परिजन सोमवार को शव लेने मिजार्पुर के लिए निकल दिए।

गुरु नानक जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा के दृष्टिगत राजेपुर त्रिमुहानी पर स्नान एवं मेला स्थल की तैयारियों का किया गया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा गुरु नानक जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा के दृष्टिगत आज राजेपुर स्थित त्रिमुहानी पर स्नान एवं मेला स्थल की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि घाटों की पूरी साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा श्रद्धालुओं के सुविधार्थ तत्काल प्रकाश व्यवस्था की जाए। साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए घाटों पर सुरक्षा जाली लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने आपदामित्रों और गोताखोरों को भी तैनात करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। अतः सभी विभाग अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को कोई दर्शन-पूजन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह, उपजिलाधिकारी सदर, उपजिलाधिकारी केराकत सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मछलीशहर पुलिस ने चोरी के मुकदमे में वांछित एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर के नेतृत्व में थाना मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-315/25 धारा-305, 331(4), 317(2) बी0एनएस में वांछित आरोपी नीरज दूबे पुत्र स्व0 जामवन्त दूबे निवासी बबुरी बेलौना थाना बरसठी जनपद जौनपुर कोटवा पुल थाना मछलीशहर से कारण गिरफ्तारी बताते हुए नियमानुसार गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।

भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला एवं नगर कार्यकारिणी घोषित

मुख्य अतिथि रहे प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा, विशिष्ट अतिथि प्रदेश संयुक्त महामंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। व्यापार एवं उद्योग जगत के देशव्यापी संगठन भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जौनपुर इकाई की जिला एवं नगर कार्यकारिणी की घोषणा सिद्धार्थ उपवन बैंक्विट हॉल में की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश संयुक्त महामंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेक सिंह एवं संचालन अवनिंद्र तिवारी एवं योगेश साहू ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम अध्यक्ष नगर अध्यक्ष, गौरा बादशाहपुर इकाई अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं शीतला चौकिया इकाई अध्यक्ष अभिषेक यादव का माल्यार्पण व अंगवस्त्र से सम्मान किया गया ' जिला अध्यक्ष विवेक सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि संगठन व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षशील रहेगा मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा व्यापारियों व उद्यमियों पर मुकदमे की जगह अर्थदंड की व्यवस्था स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि धारा 129 का दुरुपयोग बंद होना चाहिए और ईमानदार व्यापारियों के हित में इसका सरलीकरण आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि प्रदेश संयुक्त महामंत्री कृष्ण कुमार रामू ने कहा कि संगठन आज पूरे प्रदेश में व्यापारियों की सशक्त आवाज बन चुका है और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर कार्य कर रहा है नगर अध्यक्ष जयकिशन साहू ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करना है, चाहे वह जीएसटी हो या खाद्य एवं औषधि विभाग से संबंधित मुद्दे हों जिला कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष विवेक सिंह ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। महामंत्री आशीष चौरसिया, उपाध्यक्ष विमल सिंह, रवि अग्रहरि, प्रदीप सिंह (रिंकू) सर्वेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष मोहम्मद दानिश, सह कोषाध्यक्ष सुनील जायसवाल, संगठन मंत्री विनय बरौतिया, अजीत सोनकर, अजय गुप्ता, धर्मेंद्र रघुवंशी, राघवेन्द्र सिंह, मंत्री उमेश जायसवाल, अनिल हरलालका, पवन सिंह, रूप नारायण माली, संयुक्त मंत्री राजेंद्र खत्री, विजय केडिया, सन्तोष साहू मीडिया प्रभारी संतोष अग्रहरि, सह मीडिया प्रभारी शिव शंकर साहू, सोशल मीडिया प्रभारी संदीप श्रीवास्तव पंकज यादव, आय-व्यय निरीक्षक प्यारेलाल मौर्य, सह निरीक्षक प्रमोद मौर्य

कार्य समिति सदस्य संजय पाठक राजदेव यादव, दिलीप सिंह (एमआई), प्रवीण शाह गौरीशंकर जायसवाल (राजू), अनिल सेठ (गुड्डू), अभय चौरसिया, राजीव शुक्ला, सूरज साहू, विजय साहू, बालकृष्ण जायसवाल, श्रीशंकर साहू, सुमित शुक्ला, शिवकुमार साहू, सुधीर साहू, विष्णु साहू सुनील मौर्या इश्तियाक भाई एवं राजेश तिवारी।नगर कार्यकारिणी की घोषणा नगर अध्यक्ष जयकिशन साहू (जैकी) ने नगर कार्यकारिणी की घोषणा की महामंत्री दिलीप जायसवाल, उपाध्यक्ष संजय जायसवाल, अमित जी वैश्य कमल भाटिया (मिंटू) विवेक प्रताप सेठी, संजीव साहू, कोषाध्यक्ष संजय जायसवाल सह कोषाध्यक्ष महेश सेठ संगठन मंत्री संतोष सेठ प्रदीप सिंह (एमआई) सुरेंद्र मौर्या (भग्गू) सुनील सोनकर, मंत्री देवेश जी वैश्य, राजेश गुप्ता सुशील विश्वकर्मा (पिंटू) पवन गुप्ता (छप्पन भोग) खुशीहाल प्रजापति, संयुक्त मंत्री कृष्ण कुमार सेठ श्याम वर्मा, आलोक सेठ अनिल सोनी, मीडिया प्रभारी प्रशांत कुमार कुकरेजा, सोशल मीडिया प्रभारी शिवकुमार गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य पप्पू मोदनवाल (मदन हलवाई) ध्रुव जायसवाल प्रदीप मोदनवाल (बाबा बफार्नी) अनुराग सेठी पंकज जाडवाणी, कपिल गुप्ता रजनीश गुप्ता दीपक साहू, रूपेश अग्रहरि, शिवांशु श्रीवास्तव, रवि साहू, संजय जायसवाल, अजय मौर्या, नवीन साहू, मनोज साहू, अंशु अग्रहरि, सौरभ बैंकर सुमित साहू वैभव गुप्ता अभिषेक गुप्ता (शम्मी) बंटी साहू, सूर्यमणि सोनी, हेमंत कार्यक्रम में धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता, अभिषेक यादव, शशांक सिंह ,रानू, राजदेव, यादव एवं प्रदीप सिंह (रिंकू) ने सभा को संबोधित किया आशीष चौरसिया, सर्वेश जायसवाल, रवि अग्रहरि, अमित जायसवाल, अजय गुप्ता, धर्मेंद्र जायसवाल एवं दिलीप जायसवाल ने मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विजय केडिया, धीरज गुप्ता, कमल भाटिया, अमिताश गुप्ता एवं मनोज विश्वकर्मा ने प्रदेश पदाधिकारी प्रखर श्रीवास्तव एवं गौरव सिंह भदौरिया को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में मोहम्मद सिराज, दीपक केडिया, नीरज विश्वकर्मा, अभिषेक बैंकर, महेश साहू, विनोद सेतिया शिवेंद्र, दुबे गौरव, प्रताप सिंह, प्रिंस शाह, विपुल सिंह, बिस्मिल्लाह, जगमेंद्र निषाद, राजकुमार कश्यप सहित सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

बरसठी पुलिस ने वांछित आरोपी अच्छेलाल उर्फ बच्चेलाल को किया गिरफ्तार

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों, वांछित वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत मंगलवार को बरसठी पुलिस को बड़ी सफलता मिली। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण व दिशा-निर्देशन में, प्रभारी निरीक्षक बरसठी देवानन्द रजक के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजय कुमार तिवारी मय हमराह टीम ने मुकदमा संख्या 206/25, धारा 87, 82(2) व 69 बीएनएस में वांछित आरोपी अच्छेलाल उर्फ बच्चेलाल पुत्र लालजी उर्फ पप्पू, निवासी ग्राम खेतलपुर, थाना औराई, जनपद भदोही को मुखबिर खास की सूचना पर कटवार रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व से ही मुकदमा दर्ज था, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दीपावली स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आज

झुंझुनूं। आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) जिला शाखा झुंझुनूं की ओर से चित्रकूट कॉलोनी रोड न.3 पर स्थित नोबल आयुर्वेदिक हॉस्पिटल के परिसर में ह्वदीपावली स्नेह मिलन एवं नव गठित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोहह्व का भव्य आयोजन के रूप में होगा। बुधवार को होने वाले इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अध्यक्ष डॉ. महेश झाझड़िया ने बताया कि आयोज्य कार्यक्रम दोपहर सवा बारह बजे से प्रारंभ होगा जो लेट तक चलेगा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे तथा इस मौके पर जिले के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों का दीपावली स्नेह मिलन भी है। इसके लिए एसोसिएशन ने सभी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों से स्नेह भरे एवं उत्साह से लवरेज इस शानदार प्रोग्राम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति होने का अनुरोध किया है।

विकास का एक नया दौर शुरू हो गया है: राजन नाईक

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व में दक्षिणा मेडिकल से सेंट फ्रांसिस स्कूल तक सड़क के उन्नयन कार्य का भूमिपूजन समारोह नालासोपारा विधायक राजन नाइक के हाथों आज संपन्न हुआ। मानसून के दौरान, इस सड़क पर जलभराव के कारण नागरिकों को हमेशा परेशानियों का सामना करना पड़ता था।इस समस्या के समाधान के रूप में यह कार्य शुरू किया गया है। यह सड़क नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। विकास की यह यात्रा आपके सहयोग से ही संभव हो पाई है।

स्नेहा दुबे पंडित ने बालाजी प्लेटिनम सोसाइटी को मिले ओसी और सी सी पर दी शुभकामनाएं

वसई रोड। बालाजी प्लैटिनम सोसाइटी, अगाशी, वसई पश्चिम को 10-12 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अपना औसतन ओसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) और सीसी (कम्प्लीशन सर्टिफिकेट) प्राप्त हुआ है और यह क्षण सोसाइटी के निवासियों के लिए बेहद खुशी और ऐतिहासिक रहा है। इस अवसर पर सोसाइटी द्वारा स्नेहा दुबे पंडित विशेष रूप से अभिनंदन दिया और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ रामदास मेहर, भूपेश राउत, मयूरेश वाघ, श्रीमती आशा चव्हाण, विजय पाटिल, सुधीर मेहर, कल्पेश नाइक, नवनीत निजाई, श्रीमती विजेता सुर्वे, प्रकाश जोशी, मयूर नाइक, श्रीमती श्रेयसी पेठे सहित बड़ी संख्या में नागरिक, सोसाइटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कमला हॉस्पिटल पर दिव्यांगों हेतु मुफ्त कंबल वितरण, नेत्र परीक्षण एवंचश्मा वितरण शिविर का आयोजन

सुलतानपुर। गरीबों के मसीहा स्वर्गीय चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया द्वारा शुरू की गई सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोकाधिकार सेवा समिति इस वर्ष सेवा का 21वाँ अध्याय लिखने जा रही है। इसी क्रम में समिति द्वारा सुलतानपुर स्थित कमला हॉस्पिटल, जयसिंहपुर रोड, बरौसा में दो दिवसीय सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत 6 नवंबर 2025 दिन गुरुवार को दिव्यांग जनों हेतु मुफ्त कंबल वितरण तथा 7 नवंबर 2025 दिन शुक्रवार को मुफ्त नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है। इस सेवा आयोजन का संचालन समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया एवं जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। समिति ने अपील की है कि पात्रता के आधार पर जरूरतमंद लाभार्थी समय से शिविर स्थल पर पहुँचकर इस सेवा का लाभ अवश्य प्राप्त करें।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थानांतर्गत पानदरीबा चुंगी के पास मंगलवार को पूर्वान्ह ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। बताते है कि 36 वर्षीय राकेश कुमार मौर्य पुत्र राजकुमार मौर्य प्रेमराजपुर थाना कोतवाली पुराना पान दरीबा चुंगी घाट पर किसी के यहां मजदूरी का काम कर रहा था और सड़क किनारे बालू सीमेंट मिला रहा था तभी सामने से तेज गति से आ रही ट्रैक्टर की चपेट में आ कर गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने उपचार हेतु निजी वाहन से उसे जिला चिकित्सालय पहंचाया जहां पर डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया। ड्राइवर फरार हो गया है। मृतक बहुत गरीब था और परिवार की जिम्मेदारी उसी पर थी। मृतक की चार बेटियां हैं जिनमें छोटी बेटी विधु का ऑपरेशन 10 तारीख को पीजीआई में होना था।

नगर निगम वाराणसी ने 400 भवन स्वामियों को भेजा नोटिस, पंजीकरण कराने की तैयारी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के नगर निगम प्रशासन ने नव विस्तारित क्षेत्र के मांडवी जोन के 400 भवन स्वामियों को नोटिस भेजी है। इन भवनों का पंजीकरण कराने की अपील की है। ताकि भवनों पर गृहकर का निर्धारण किया जा सके। नगर निगम की सीमा में शामिल किए गए नव विस्तारित क्षेत्रों के भवनों पर भी गृहकर लागू किया जाएगा। मांडवी जोन के 400 से अधिक भवन स्वामियों को नोटिस भेजी गई है। जोनल अधिकारी इंद्रविजय सिंह की ओर से नोटिस भेजी गई है। नगर निगम प्रशासन ने भवन स्वामियों से भवनों के दस्तावेज जमा कराने की अपील की गई है, ताकि पंजीकरण कर भवनों पर गृहकर निर्धारण किया जा सके।

प्रशासन सख्त सभी चौक-चौराहे पर सीआईएसएफ और बी एस एफ,आई टी बी पी के जवान एक-एक वाहन की कर रही जांच

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज आगामी बिहार विधानसभा प्रथम चरण के चुनाव प्रचार बंद होते हीं सीवान प्रशासन सख्त हो गया है। शांतिपूर्ण,निष्पक्ष,भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पुलिस काफी शतर्क हो गई है। पुलिस लगातार थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर बीएसएफ, सीआईएसएफ और बी एस एफ, आई टी बी पी के जवान थाना पुलिस के मदद से वाहन जांच चेकिंग अभियान कर रही है तथा पुलिस गश्ती भी बढ़ा दी है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित रखने के दृष्टिकोण से पुलिस द्वारा क्षेत्र में निरंतर सघन वाहन जांच कर रही है। इस दौरान सोमवार सभी चौक-चौराहों पर पुल , अन्य विभिन्न सड़क मार्ग पर पुलिस दल तैनात कर जांच तेज कर दिया है। वहीं छोटी-बड़ी वाहनों को रोक कर जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया की इस तरह की वाहनों की जांच लगातार जारी है। जिससे की वाहनों में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तुएं वाहन चालकों व अन्य के द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने पर रोक लगे। ताकि शांतिमय माहौल में विधानसभा चुनाव संपन्न कराया जा सके। साथ ही आमजन भयमुक्त वातावरण में अपना मताधिकार का प्रयोग कर सके। वहीं थानाध्यक्ष ने आगे बताया कि चुनाव को प्रभावित करने वाले को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा,जिसके लिए पुलिस पुरी तरह से मुस्तैद है।

स्नेहा दुबे पंडित ने पालघर सांसद खेल महोत्सव 2025 में लिया हिस्सा

वसई रोड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में युवा शक्ति ही वास्तविक राष्ट्र शक्ति हैऱ की भावना को साकार करते हुए पालघर के आर्यन हाई स्कूल ग्राउंड में संसद खेल महोत्सव - 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विशेष अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और युवाओं का इस खेल महोत्सव का उद्घाटन भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रवींद्र दादा चव्हाण के करकमलों द्वारा किया गया। समारोह में पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, पालघर विधानसभा के विधायक राजेंद्र गावित, विक्रमगढ़ विधानसभा के विधायक हरिश्चंद्र भोये, नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाइक, पालघर जिला परिषद की कलेक्टर श्रीमती इंदु रानी जाखड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत, भाजपा वसई विरार शहर जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, वरिष्ठ भाजपा नेता बाबजी कथोले, समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जिलेभर के खिलाड़ी उपस्थित रहे। पूरा परिसर देशभक्ति और युवा जोश से गूंज उठा। फिट युवा विकसित भारत के आदर्श वाक्य से प्रेरित यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करता है, बल्कि युवाओं में एकता, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस अवसर पर कहा कि संसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन युवाओं में ऊर्जा, सकारात्मकता और राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। स्वस्थ और सशक्त युवा ही विकसित भारत की पहचान हैं। इस आयोजन के माध्यम से पालघर जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ और यह कार्यक्रम जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सेवन हिल्स हॉस्पिटल को बचाने के लिए अंधेरी विकास समिति का धरना प्रदर्शन 6 नवंबर को

मुंबई। सामाजिक संस्था अंधेरी विकास समिति की ओर से 6 नवंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे अंधेरी (पूर्व) के मरोल स्थित सेवन हिल्स हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह आंदोलन हॉस्पिटल को निजी हाथों में जाने से बचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष और पूर्व उपमहापौर राजेश शर्मा ने बताया कि सरकार की मंशा सेवन हिल्स हॉस्पिटल को घाटे में दिखाकर रिलायंस समूह को सौंपने की है, जिसका समिति कड़ा विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, बीएमसी और संबंधित एजेंसियों से संपर्क और पत्राचार किया गया, लेकिन अब तक किसी की ओर से कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। शर्मा ने बताया कि बीएमसी ने सेवन हिल्स हॉस्पिटल के लिए जमीन पट्टे पर दी थी। लगभग 1500 बेड और 36 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटरों से लैस यह अस्पताल कभी कैंसर रोगियों के लिए विकसित किया जाना था,लेकिन बाद में इसे बहुउद्देशीय अस्पताल के रूप में बदल दिया गया। शर्मा ने आरोप लगाया कि हैदराबाद के व्यवसायी रेड्डी बंधु को दिया गया प्रबंधन उनके दिवालिया हो जाने के बाद न्यायालय में लंबित है, और इसी स्थिति का लाभ उठाकर अस्पताल को निजी कंपनी को सौंपने की तैयारी की जा रही है। शर्मा ने कहा, ह्वस्थानीय जनता अब आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार है। सेवन हिल्स हॉस्पिटल जनता की संपत्ति है, इसे किसी भी कीमत पर निजी हाथों में नहीं जाने दिया जाएगा।

सामाजिक सौहार्द ना खराब करे सत्ताधारी लोग: अवनीश तीर्थराज सिंह

मुंबई। मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अवनीश तीर्थराज सिंह ने शिवसेना शिंदे गुट के विधायक प्रकाश सुर्वे के बयान की निंदा करते हुए कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए सताधारी लोग उत्तर भारतीय समाज को एक वोट बैंक की तरह देख रहे है और इस तरह की बात करके सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का काम कर रहे है। मागाठाणे विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश सुर्वे ने उत्तर भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि मराठी मेरी मातृभूमि मेरी मां है तो उत्तर भारत मेरी मौसी है। एक बार मां मर जाए तो चलता है लेकिन मौसी मरनी नहीं चाहिए, क्योंकि मौसी ज्यादा प्यार करती है। अवनीश तीर्थराज सिंह ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी और नेता अब महानगरपालिका चुनाव को देखते हुए इस तरह की बात करके सामाजिक ध्रुवीकरण का काम काम कर रहे है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है यहां देश के हर कोने के लोग मराठी जनमानस के साथ मिलकर रहते हैं, यह मुंबई की पहचान भी है। उन्होंने कहा की महानगर पालिका के चुनाव में लोगों की भावनाएं भड़काने के बजाय विकास के मुद्दे की बात होना चाहिए।

जिलाधिकारी के आश्वासन पर जज सिंह अन्ना का आमरण अनशन समाप्त

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिरकोनी राजेपुर में जज सिंह अन्ना का चल रहा अनिश्चितकालीन आमरण अनशन, जौनपुर जिलाधिकारी के ठोस आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। जिलाधिकारी ने बीते 4 नवंबर को स्वयं राजेपुर मंदिर और त्रिमुहानी घाट का दौरा कर मेला परिसर का जायजा लिया और अन्ना की मांगों को शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने स्थल निरीक्षण के दौरान कहा कि वह योगी सरकार के आदेशानुसार जनता की सभी मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, मैं आपकी मांगे शासन को भेज रहा हूं। यह कार्य निश्चित रूप से होगा। इस सकारात्मक आश्वासन के बाद ही अन्ना ने अपना अनशन तोड़ा। अनशन की प्रमुख माँगें अन्ना की प्रमुख मांगों में ये शामिल हैं।पीपा पुल राजेपुर रामेश्वर से विजयीपुर घाट तक पीपा पुल का निर्माण। सीसी रोड राजेपुर मंदिर से गोमती घाट तक 300 मीटर सीसी रोड। कटान रोकथाम रामेश्वरम मंदिर को सई नदी के कटान से बचाने के लिए पत्थर और सीढ़ियों का निर्माण। सुरक्षा राजेपुर घाट पर पुलिस चौकी की स्थापना। अन्ना ने चेतावनी दी है कि यदि माँगें पूरी नहीं होती हैं, तो वह दोबारा आमरण अनशन शुरू करेंगे।

क्षेत्र में ओपिनियन पोल व एग्जिट पोल के प्रसारण या प्रकाशन पर प्रतिबंध

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार सीवान जिला में 6 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जिला निर्वाचित पदाधिकारी के निर्देश पर महाराजगंज की एसडीएम अनीता सिन्हा ने प्रशासनिक सक्रियता बढ़ा दी है। अनुमंडल क्षेत्र के चेक पोस्टों पर निगरानी बढ़ा दी है। वह विधानसभा क्षेत्रों में अधिकारियों के दौरे भी तेज हो गए हैं। ताकि क्षेत्र में शांतिपूर्ण निष्पक्ष तरीके से मतदान संपन्न कराई जा सके। एसडीओ के द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। वहीं प्रशिक्षण का भी निरीक्षण किया गया। मतदान के पूर्व प्रचार प्रसार बंद कर दिया गया है। ऐसे में उअढक्क पुलिस व व्यय प्रेक्षक के बीच समन्वय सुनिश्चित कर लिया गया है। साथ ही नगदी , शराब या अन्य प्रलोभनों पर रोक के लिए एसएसटी, एफएसटी टीमों को सक्रिय रखा गया है।

बिहार के सभी जिले में खुलेगी फैक्ट्री मेगा स्किल का हब बनेगा सभी जिले: मनोज तिवारी

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को सीवान के महाराजगंज बोर्ड मिडिल स्कूल के प्रांगण में महती जन समूह को संबोधित करते हुए सांसद सह बीजेपी के स्टार प्रचारक मनोज तिवारी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बिहार के सभी जिले में एक-एक फैक्टरी लगाई जाएगी। सभी जिलों को स्किल का हब बनाया जायेगा। आज आप बिहार के किसी कोने में जाय आपको चिकनी सड़क, पुल पुलिया, 23 से 24 घंटे बिजली, किसानों के आमद बढ़ाने का काम, महिलाओं को रोजगार करने के लिए 10 हजार रुपए दिया जा रहा है। इसको बढ़ाकर सरकार देगी। घरेलू बिजली खपत में 125 यूनिट बिजली फ्री सरकार दे रही है। सभा को संबोधित करते हुए महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा सरकारी संस्थानों में सरकार द्वारा अब 11 हजार रुपए प्रति माह देगी। एनडीए ने अब बिहार में सभी इंफ्रा स्ट्रेचर पूरा कर लिया है । एनडीए बिहार के गरीब गुरुवा के पेट और शिक्षा ,रोजगार ,पढ़ाई के लिए हौसले अफजाई की है। महाराजगंज विधानसभा के प्रत्याशी हेमनारायण साह ने जन समूह से विनम्रता पूर्वक वोट का आशीर्वाद मांगा।

फोनपे ने धोखाधड़ी वाले ट्रांजेक्शन से यूजर को बचाने के लिए 'फोनपे प्रोटेक्ट' लॉन्च किया

मुंबई। फोनपे ने 'फोनपे प्रोटेक्ट' लॉन्च किया है झ यह एक ऐसा सुरक्षा सिस्टम है जिसे यूजर्स को धोखेबाजी वाले ट्रांजेक्शन से बचाने के लिए बनाया गया है। यह नया फीचर यूजर्स को उन नंबरों पर पैसे भेजने से बचने के लिए नोटिफाई करता है जो संदिग्ध हो सकते हैं। जब कोई यूजर ऐसे ट्रांजेक्शन की कोशिश करता है, तो स्क्रीन पर 'फोनपे प्रोटेक्ट' का अलर्ट दिखाई देता है। यह फीचर सुरक्षा कारणों से ट्रांजेक्शन कैंसिल होने पर उसमें शामिल जोखिमों के बारे में भी जानकारी देता है। इस पहल के साथ, फोनपे लाखों भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षित डिजिटल ट्रांजैक्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस नए फीचर पर बात करते हुए, फोनपे के ट्रस्ट और सुरक्षा प्रमुख, अनुज भंसाली ने कहा, फोनपे में, पेमेंट सुरक्षा सबसे ऊपर है, और हमने अपने ग्राहकों को सुरक्षित रखने के लिए कई पहल किए हैं। 'फोनपे प्रोटेक्ट' सुरक्षित वित्तीय सिस्टम बनाने की हमारी सोच को दर्शाती है, जहाँ हर एक ट्रांजेक्शन आसानी और सुरक्षित रूप से किया जा सके। इस फीचर के साथ, हमने एक मजबूत सुरक्षा सिस्टम बनाया है जो हमारे 61 करोड़ से ज्यादा यूजर्स (31 मार्च 2025 तक) को साइबर हमलों से बचाता है। यह सिर्फ एक सुरक्षा फीचर नहीं है, बल्कि भारत के लिए एक सुरक्षित डिजिटल पेमेंट सिस्टम बनाने की हमारी कोशिश है। हमें पूरा भरोसा है कि यह हमारे यूजर्स को सुरक्षित और आसान पेमेंट का अनुभव देग। 'फोनपे प्रोटेक्ट' एक ऐसे सिस्टम का उपयोग करता है जो डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्यूनिकेशन के 'फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर फीचर द्वारा चिह्नित संदिग्ध (यानी खतरा वाला) मोबाइल नंबरों और उनसे जुड़े ट्रांजैक्शन का पता लगाकर उन्हें ब्लॉक कर देता है। फोनपे का यह सिस्टम ट्रांजेक्शन के दौरान इन जोखिमों को तुरंत पहचान लेता है और जोखिम का पता चलते ही ट्रांजेक्शन को तुरंत ही बीच में रोक देता है। फिर यूजर्स को अलर्ट के रूप में जरूरी सूचनाएँ मिलती हैं, जिससे उन्हें अपने ट्रांजेक्शन के बारे में सही फैसला लेने में मदद मिलती है, और उनकी सुरक्षा और भी बेहतर होती है।

सनातन धर्म को सभी धर्मों का मूल: स्वामी विश्वात्मानंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अटल अखाड़ा जम्बू कश्मीर के पीठाधीश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती महाराज ने मंगलवार को सनातन धर्म को सभी धर्मों का मूल बताया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एक चींटी को भी मारने की इजाजत नहीं देता और सभी जीवों से प्रेम करना सिखाता है। यह बात उन्होंने केशवपुर स्थित एक होटल में बात के दौरान कही। स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती ने सनातन धर्म की प्राचीनता पर जोर देते हुए इसे सभी धर्मों की जननी बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनातन धर्म किसी को भी लालच या भय से धर्म परिवर्तन करने की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत में आज भी कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने भले ही दूसरा धर्म अपना लिया हो, लेकिन वे अपने नाम के आगे अपनी मूल जाति का शीर्षक वही लगाते हैं। भद्राचार्य द्वारा हिंदू राष्ट्र बनाने, हिंदू संख्या 80 प्रतिशत करने और 470 सीटें होने पर ही हिंदू राष्ट्र बनाने संबंधी बयानों पर पूछे गए सवाल के जवाब में स्वामी जी ने इसे कुछ लोगों की सियासी बात करार दिया। उन्होंने ऐसी बातें न करने की सलाह दी, क्योंकि सनातन धर्म दूसरे धर्मों का भी सम्मान करना सिखाता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि हर किसी को अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करने का अधिकार है, लेकिन किसी दूसरे धर्म की निंदा करने के बजाय अपने धर्म की अच्छाइयों का वर्णन करना चाहिए। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने नेताओं को सहनशक्ति रखने और ऐसे शब्दों का प्रयोग न करने की सलाह दी, जिनसे समाज में नफरत या द्वेष फेले।

जौनपुर मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से फ्री मेडिकल कैम्प का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के ग्राम मलहज कबीर दास के आश्रम पर सत्संग एवं भंडारे के अवसर पर हमेशा के दस्तूर के मुताबिक इस साल भी सत्संग लगाया गया था। जिसमें मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से श्रद्धालूओ के लिए एक फ्री मेडिकल चेकअप कैम्प लगाया गया।यह संस्था कई वर्षों से जाति भावना से ऊपर उठकर मरीजों और जरूरत मंदो की सेवा करती रही है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय लोगों के अलावा हजारों की संख्या मे बाहर से आए हुए श्रद्धालू ने भी निःशुल्क स्वास्थ्य सलाह एवं औषधियों प्राप्त की। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में शाहगंज के जाने माने प्रसिद्ध वेलकम क्लिनिक मुख्य एवं सौंदर्य विशेषज्ञ एवं समाज सेवी डॉ .तैयब अंसारी,आश्रम के महंत श्री लक्ष्मण दास, राना क्लिनिक के डॉ .राम दुलार भारती, फैमिली केयर क्लिनिक सराय मोहिउद्दीन के डॉ. एवं समाज सेवी डॉ.विवेक कुमार भारती, डॉ.राहुल राज,गरीब कल्याण हॉस्पीटल पूर्वांचल जौनपुर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ .मकसुद पूरे समय प्रोग्राम में मौजूद रहे तथा प्रोग्राम में वरिष्ठ पत्रकार रियाजुल हक का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत मे संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष हुसैन हैदर ने कार्यक्रम आयोजक ने समस्त श्रद्धालुओ का धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही भविष्य में और भी ऐसे नेक कार्य करने का संकल्प लिया गया उन्होंने कहा कि समाज के लोगों के जीवन में बदलाव और जागरूकता का विस्तार हो सके तथा मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट और ट्रस्ट के सदस्य इसी प्रकार से भविष्य में भी समाज के प्रति नेक कार्य करते रहे।

तेज धमाके के साथ दुकान में लगी आग

बरदह। मार्टीनगंज बाजार में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक तेज धमाके के साथ आग लग गई। इस आगलगी से दुकानदार सुनील जायसवाल जल गए। जिन्हें तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मार्टीनगंज भेजा गया। उनकी स्थिति फिलहाल सुरक्षित बताई जा रही है। घटना के बाद बाजार में हड़कंप मच गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। विस्फोट के चलते बाजार में लंबा जाम लग गया, जिसे चौकी इंचार्ज पंकज कुमार सिंह व थाना अध्यक्ष दीदारगंज राकेश कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया। बताया गया कि सुनील जायसवाल की दुकान में गैस सिलेंडर भरने के साथ-साथ बिजली और इलेक्ट्रॉनिक सामान की बिक्री भी होती थी। विस्फोट के चलते दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो गया, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।